डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 09 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 30 मार्च से 05 अप्रैल 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं: सुप्रीम कोर्ट

-कोर्ट ने कहा: जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे, याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'बंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्क्युलर के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई सूर्यकांत जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच में था।

बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वदेमातरम न गाने - पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा कि ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल है और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। अदालत मुहम्मद सईद पूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि हमें बह नोटिस दिखाइए जिसमें आपको राष्ट्रगान बजाने के लिए मजबूर किया गया है। आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं जानते।

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी और भाजपा में कड़ा मुकाबला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पश्चिमी बंगाल सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें से सबसे बड़ा राज्य पश्चिमी बंगाल प्रदेश है। पश्चिम बंगाल में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), भाजपा और कांग्रेस एवं वाम दलों का गठबंधन करीब-करीब सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रहे हैं। पश्चिमी बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और चौथी बार भी मुख्य मुकाबले में मानी जा रही हैं। पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस एक मजबूत पार्टी है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की लोकप्रियता उच्च स्तर पर है। विधानसभा चुनाव में तृणमूल पार्टी की हर बार सीटें बढ़ जाती हैं।

भाजपा दे रही है कड़ी टक्कर

पश्चिमी बंगाल में इस बार भाजपा ने बड़ी तैयारी की है। भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह की देख-रेख में भाजपा पश्चिमी बंगाल में चुनाव मैदान में है।

माना जाता है कि अमित शाह किसी भी राज्य में भाजपा को जिताने की क्षमता रखते हैं। अमित शाह के कारण ही भाजपा देश के ज्यादातर राज्यों में विधानसभा चुनाव जीती है। अमित शाह विपक्षी पार्टियों और विरोधी मतदाताओं को टुकड़ों में बांटने में माहिर माने जाते हैं। भाजपा पश्चिमी बंगाल में सरकार बनाने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग पश्चिमी बंगाल में भाजपा को जिताने के लिए कार्य कर रहा है। लेकिन ममता बनर्जी का नेतृत्व और तृणमूल के कार्यकर्ता भी कमजोर नजर नहीं आते हैं।

पश्चिमी बंगाल में ध्रुवीकरण का फार्मूला भाजपा के पक्ष में नहीं दिखाई दे रहा है। पश्चिमी बंगाल में 28 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थक माने जाते हैं।

मुस्लिम संगठनों ने कांग्रेस से उमर खालिद को राजस्थान से राज्यसभा भेजने की मांग उठाई

जयपुर/दिल्ली। राजस्थान में आगामी राज्यसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच विभिन्न मुस्लिम संगठनों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व से अपील की है कि उमर ख़ालिद को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया जाए। संगठनों ने इसे "संवैधानिक मूल्यों और समावेशी राजनीति के प्रति प्रतिबद्धता की कसौटी" बताया है। राजस्थान से जून में राज्यसभा की तीन सीटें रिक्त हो रही हैं। विधानसभा में वर्तमान संख्या बल के आधार पर भारतीय जनता पार्टी के दो सीटें जीतने की संभावना है, जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट आने का अनुमान है। ऐसे में यह मांग कांग्रेस की संभावित एकमात्र सीट को लेकर की जा रही है।

राजस्थान मुस्लिम अलायंस के अध्यक्ष मोहसिन रशीद टोंक ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) को लिखे पत्र में इस संबंध में औपचारिक अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, उमर ख़ालिद का चयन न केवल एक योग्य व्यक्ति को मंच देगा, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी देगा कि कांग्रेस संविधान की रक्षा करने वाली आवाज़ों के साथ खड़ी है।" उन्होंने आगे कहा, "ऐसे समय में जब नागरिक स्वतंत्रताओं को लेकर बहस चल रही है, यह निर्णय पार्टी की न्याय, समावेशिता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।"

कॉंग्रेस को मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को स्वीकार करना चाहिए :

पत्र में 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए मुस्लिम समुदाय की भूमिका पर भी जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है की "कांग्रेस के कुल मत प्रतिशत में लगभग 10 प्रतिशत योगदान मुस्लिम मतदाताओं का रहा, यानी पार्टी को मिलने वाले हर चार में से एक वोट इस समुदाय से आया। यह केवल सुझाव नहीं, बल्कि एक न्यायसंगत और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मांग है।"

इस मांग का समर्थन करते हुए मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरशन के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर ने माँग की और कहा कि काँग्रेस पार्टी के आला नेतृत्व को राज्य में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को स्वीकार करना चाहिए।

जौहर ने कहा कि "राजस्थान कांग्रेस के कई प्रमुख नेता ऐसे क्षेत्रों से जीतकर आते हैं जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि राजनीतिक वास्तविकता है।"

जौहर ने आगे कहा, "ऐसे में कांग्रेस पार्टी का दायित्व बनता है कि वह इस निरंतर समर्थन को सार्थक प्रतिनिधित्व के माध्यम से सम्मान दे।" उल्लेखनीय है कि उमर ख़ालिद जो पूर्व जेएनयू दिल्ली के छात्र नेता हैं, 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (UAPA) के तहत न्यायिक हिरासत में हैं। जनवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उनका मामला राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है।

वैश्विक संकट के दौरान देश में विपक्ष कर रहा है राजनीति, यह बेहद शर्मनाक:— मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर गल्फ देशों में चल रहे तनाव के बीच, भारत पूरी तरह सक्षम और मजबूत है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें और देश के नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखें। जैसे कोविडकाल में देशवासियों ने एकजुट होकर चुनौतियों का सामना किया था, उसी प्रकार आज भी संयम और विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इससे नागरिक स्वस्थ और सशक्त बन सकें। साथ ही उन्होंने युवाओं को विज्ञान, नई तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जल संरक्षण के क्षेत्र में देशभर के गांवों और जिलों के उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि किस प्रकार छोटे-छोटे प्रयासों से जल संकट का समाधान संभव है। वर्षा जल संचयन, खेतों में छोटे तालाब और नालियों के माध्यम से जल स्तर बढ़ाने जैसे प्रयासों ने ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए है। राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने खेलों के महत्व को भी रेखांकित किया और क्रिकेट में भारत की हालिया जीत पर गर्व व्यक्त करते हुए पारंपरिक खेलों जैसे खो-खो को भी प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। इसके साथ ही, जयपुर के मुरलीधर जैसे नवाचार करने वाले नागरिकों का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे सोलर पैनल और सोलर पंप के माध्यम से लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। महिलाओं द्वारा मछली पालन जैसे कार्यों के माध्यम से आजीविका सुदृढ़ करने के उदाहरण भी प्रेरणादायी हैं। ये सभी पहल देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि आपदा और चुनौती के समय राजनीति करना उचित नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि देश में पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं, इसके बावजूद कांग्रेस लगातार प्रदर्शन और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी दलों को मिलकर समाधान खोजने की आवश्यकता है, न कि राजनीतिक लाभ लेने की।

'शर्म नहीं आती, टेररिस्ट', बेंगलुरु में प्रोफेसर ने मुस्लिम स्टूडेंट को कहा आतंकवादी, सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पीईएस यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर पर आरोप है कि उसने क्लास में एक मुस्लिम स्टूडेंट के खिलाफ अपमानजनक और सांप्रदायिक टिप्पणी की। यह घटना मंगलवार को हुई थी। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि अफ्फान नाम के स्टूडेंट पर प्रोफेसर तब भड़क गया, जब उसने किसी से मिलने के लिए क्लास से बाहर जाने की इजाजत मांगी।

क्लास में छात्र को कहा आतंकी

प्रोफेसर पर आरोप है कि उसने क्लास के सामने ही मुस्लिम छात्र को आतंकवादी कह दिया। वीडियो में चेक पैटर्न वाली आधी आस्तीन की शर्ट पहने प्रोफेसर को पूरे क्लासरूम में चिल्लाते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में प्रोफेसर कहता है कि तुम्हें शर्म नहीं आती? प्रोफेसर ने आगे कहा कि मुझे लगा था कि आज मैं बहुत शांत रहूंगा। इसके बाद वीडियो में प्रोफेसर को 'आतंकवादी' कहते हुए सुना जा सकता है, हालांकि वीडियो में आसपास का शोर भी काफी ज्यादा है।

यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर को किया निलंबित

प्रोफेसर पर कई अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप है। प्रोफेसर ने कथित तौर पर छात्र को ईरान युद्ध के लिए 'उस जैसे लोगों' को जिम्मेदार ठहराया। प्रोफेसर ने कथित तौर पर कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प आकर उसे ले जाएंगे। प्रोफेसर ने छात्र को यह भी कहा कि वह नरक में जाएगा। इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए यूनिवर्सिटी ने जांच पूरी होने तक प्रोफेसर को निलंबित कर दिया है।

तीन छात्र भी यूनिवर्सिटी से निलंबित

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में लिखा है कि छात्र की शिकायत का एक मामला मिला है। इस मामले की विस्तृत जांच पूरी होने तक प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। एक छात्र ने बताया कि जिस स्टूडेंट के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई उसका समर्थन करने वाले तीन छात्रों को भी अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए सस्पेंड किया गया है।

एनएसयूआई ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने कहा कि इस तरह की घटना संस्थान के इतिहास में पहले कभी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस खास मामले को देखते हुए उस संबंधित फैकल्टी के खिलाफ जो भी जरूरी अनुशासनात्मक कदम होंगे, वे उठाए जाएंगे। वहीं कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की है।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
Studio 1, 2, 3 & 4 BHK Flats
Adarsh Nagar, Moti Dungri Road, Fateh Tiba, Jagatpura, Raja Park, Jawahar Nagar & Nearby Location
greatplusfm03@gmail.com
www.greatrealityplus.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

ड्रग्स व मादक पदार्थों पर चौतरफा वज्रप्रहार

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र (NCORD) की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि ड्रग्स व मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सभी के साझा प्रयास आवश्यक है। जन-भागीदारी व जन सहभागिता से ही ड्रग्स रूपी बुराई पर विजय प्राप्त की जा सकती है। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी पुलिस थानों के मालखानों में जब्त किए गए ड्रग्स तथा मादक पदार्थों को 1 से 30 अप्रैल तक संपूर्ण राज्य में राज्य स्तरीय अभियान संचालित कर नियमानुसार नष्ट करने कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही ड्रग्स की तस्करी के लिए उपयोग में लिए गए वाहनों के भी नियमानुसार निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

राजस्थान में 1 अप्रेल से हो जाएंगे बड़े बदलाव, सरकार ने पूरी की तैयारी, जानें क्या-क्या बदलेगा

जयपुर। राजस्थान में 1 अप्रेल से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ जहां हाईवे पर सफर महंगा होगा। वहीं, सरकारी अस्पतालों के समय में भी बदलाव हो जाएगा। इसके अलावा राजस्थान के स्कूलों में पहली बार नया शैक्षणिक सत्र 1 अप्रेल से शुरू होगा। साथ ही गर्मी को देखते हुए सफारी के समय में भी परिवर्तन होगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इन बदलावों का सीधा असर वाहन चालकों सहित आम लोगों पर पड़ेगा।

170 से अधिक टोल प्लाजाओं पर टोल चुकाना होगा महंगा:

राजस्थान में नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों को 1 अप्रेल से अधिक टोल चुकाना होगा। प्रदेश के 170 से अधिक टोल प्लाजाओं पर दरों में बढ़ोतरी की गई है। नोटिफिकेशन के अनुसार कारों के टोल में कोई वृद्धि नहीं की गई है। ज्यादातर बढ़ोतरी कमर्शियल और भारी वाहनों के लिए की गई है, जो 5 से 30 रुपए तक है। रिंग रोड पर निजी और हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए दरें यथावत रखी गई है, जबकि भारी वाहनों के लिए 5 से 20 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से जारी नोटिफिकेशन में जयपुर से दिल्ली जाने वाले पुराने हाईवे पर दौलतपुरा, मनोहरपुर और शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर, जबकि जयपुर-किशनगढ़ हाईवे पर ठीकरिया, बड़गांव, रिंग रोड पर सीतारामपुरा, हिंगोनिया और जयपुर-सीकर राजमार्ग पर टाटियावास टोल बूथ पर बढ़ोतरी की गई है।

वार्षिक फास्टैग के लिए 3075 रुपए देने होंगे:

कार के वार्षिक फास्टैग पास की कीमत में 75 रुपए की वृद्धि की गई है। अब यह पास 3000 रुपए के बजाय 3075 रुपए में बनेगा। इस पास के तहत एक वर्ष में 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है।

इस बार नया नया शिक्षा सत्र 1 अप्रेल से:

शिक्षा विभाग इस बार 1 अप्रेल से नया शिक्षा सत्र शुरू करने जा रहा है। स्कूलों में एक अप्रेल से 15 मई तक पढ़ाई होगी। इसके बाद तय शेड्यूल के अनुसार 16 मई से 20 जून तक गर्मियों की छुट्टी रहेगी।

शेष पृष्ठ 2 पर....

खबरें ईरान अमेरिका युद्ध की.....

जिंदा दिल जनता है अमेरिका में

अमेरिका के सैंकड़ों शहरों में **"नो किंग"** नाम से प्रदर्शन हो रहे हैं। सोशल मीडिया से मिली सूचनाओं के अनुसार करीब 90 लाख जनता ने सड़कों पर उतर कर अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानियों और ईरान युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया। अमेरिकी जनता को जिंदा दिल माना जाता है। अमेरिकी जनता ने अनेक महान नेता पैदा किए हैं। यदि गलती से कोई अमेरिका को नुकसान पहुंचाता है तो अमेरिकी जनता ऐसे नेता का पूरी ताकत से विरोध करती है। अमेरिकी जनता वर्तमान राष्ट्रपति को तानाशाह कहने लगी है और अमेरिका को बिना किसी ठोस कारण के युद्ध में झोंकने का दोषी मानती है। यही कारण है कि अमेरिकी जनता का डोनाल्ड ट्रंप के विरोध में सड़क पर सैलाब नज़र आने लगा है। अमेरिका के राष्ट्रपति की मुसीबतें जनता के विरोध के कारण दिनों-दिन बढ़ती जा रही हैं, दबाव के चलते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक स्थिति भी स्थिर नहीं रह गई है।

ऐसे नहीं बनेगा ग्रेटर इज़राईल —

इज़राईल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर बड़ा हवाई हमला किया और ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने का प्लान बनाया। ईरान ने इज़राईल पर पलटवार किया है, करीब 30 दिन में ईरान ने इज़राईल के हवाई अड्डे, पोर्ट, कारखाने, रिफाइनरी, सैन्य ठिकानों एवं व्यवसायिक ठिकानों पर मिसाईल एवं ड्रोन हमले करके बर्बाद कर दिया। इजराईल की शून्य ताकत दिनों-दिन घटती जा रही है। इजराईल को ईरान, हिज्बुल्लाह और हूतियों से एक साथ जूझना पड़ रहा है। इज़राईल वर्षों से ग्रेटर इज़राईल बनाने के सपने देख रहा है। इसी कारण से इजराईल ने अपने हथियार भंडार में लाखों मिसाईल, इंटरसेप्टर का भंडार किया और अपनी डिफेंस पॉवर को मजबूत किया। लेकिन ईरान ने इजराईल के सपने चकनाचूर कर दिए। इजराईल ईरान से आसानी से नहीं जीत सकता है, क्योंकि ईरान ने इज़राईल पर ऐसे अटैक किए हैं जो इतिहास में पहले इज़राईल पर कभी नहीं हुए। यदि इज़राईल और ईरान युद्ध की गति ऐसी रही तो ग्रेटर इज़राईल बनना तो मुश्किल लग रहा है, लेकिन इज़राईल का अस्तित्व भी ज़रूर खतरे में आ सकता है।

ईरान की मिसाईल और ड्रोन पॉवर की विश्व भर में चर्चा-

ईरान की सैन्य क्षमता के आंकलन में अमेरिकी और इज़राईल मात खा गए। अमेरिका और इज़राईल ने ईरान पर आक्रमण किया और एक सप्ताह में ईरान पर कब्जा करने का प्लान बनाया। लेकिन जैसे-जैसे युद्ध बढ़ा ईरान की मिसाईल और ड्रोन पॉवर को इज़राईल और अमेरिका ने तो झेला है, लेकिन विश्व ने अपनी आंखों से देखा। ईरान अब तक 10-20 हजार मिसाईल और ड्रोन इजराईल और अमेरिकी ठिकानों पर छोड़ चुका है। लेकिन ईरान के पास मिसाईल और ड्रोन की कमी नहीं दिखाई दे रही है। ईरान के पास जमीन के नीचे मिसाईल और ड्रोन के गोदाम हैं, जिनमें लाखों की संख्या में मिसाईल और ड्रोन भरे पड़े हैं। ये मिसाईल और ड्रोन इज़राईल और अमेरिका को परेशान किए हुए हैं।

खाड़ी में शिया और सुन्नी का खेल नाकाम-

अमेरिका इजराईल ने युद्ध शुरू होने के बाद अपने गोदी मीडिया के द्वारा कोशिश की कि खाड़ी के मुस्लिम देश शिया-सुन्नी देशों में बंट जाएं और आपस में ही लड़कर बर्बाद हो जाएं। जिससे अमेरिका और इज़राईल आसानी से ईरान पर कब्जा कर लें। लेकिन खाड़ी देशों में ऐसा नहीं दिखाई दिया। किसी भी सुन्नी मुस्लिम देश ने ईरान के अटैक होने के बावजूद ईरान पर पलटवार नहीं किया। अमेरिका इज़राईल का यहीं से **"फूट डालो-राज करो"** की नीति फेल हो गई। इसके विपरीत ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य, व्यवसायिक और रिफाइनरी को मिसाईल और ड्रोन अटैक से नष्ट कर दिया। अमेरिका और इज़राईल मिलकर खाड़ी देशों पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते थे, लेकिन अब उनको खाड़ी देशों में अपना अस्तित्व बनाए रखने में मुश्किल हो रही है।

ईरान ने जहां चाहा वहीं आक्रमण किया —

विश्व में यह पहली बार है कि ईरान ने पहले हमला नहीं करने का वादा निभाया। लेकिन उसके ऊपर हमले होने पर उसने अमेरिका और इज़राईल के इस तरह के ठिकानों पर हमले किए जैसे उसके ऊपर अमेरिका इज़राईल ने किए। जैसे अमेरिका इज़राईल ने ईरान के हवाई अड्डे, कारखानों, रिफाइनरियों, परमाणु ठिकानों आदि पर हमले किए। ईरान ने पहले बताया कि आपके ऐसे ही ठिकानों पर हमले किया जाएगा और किया। ईरान ने जो कहा वही किया, जबकि इज़राईल और अमेरिका अपनी बातों और नीतियों से पलटते दिखाई दिए। ईरान ने कहकर इज़राईल और अमेरिकी ठिकानों पर जहां चाहा वहीं आक्रमण किया। ऐसा विश्व में पहली बार हुआ।

माता-पिता को बताया जीवन का असली हीरो - डॉ. अयान मोहम्मद

-रात दिन मेहनत करके डॉ. बनाया मां-बाप इस जीत के असली हकदार हैं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में एमबीबीएस FMGE फर्स्ट अटेम्प्ट में द्वितीय स्थान प्राप्त कर डॉक्टर अयान मोहम्मद, अंसारी मोहल्ला निवासी पुत्र रईस अहमद ने जिले और समाज का नाम रोशन किया है। अयान ने अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई विदेश से की है। इस बेहतरीन उपलब्धि पर समाज के लोगों में खुशी की लहर जाहिर हो रही है। डॉ. की डिग्री मिलने के बाद सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में समाज के जिम्मेदार लोगों ने उन्हें माला व मिठाई के साथ स्वागत सत्कार किया। इस

मौके पर बड़ी संख्या में समाज के होनहार विद्यार्थी जो अयान के साथ बैच के थे वह सभी मौजूद रहे और एक दूसरे से अपनी उपलब्धि पर वार्तालाप की व बधाई दी।

डॉ. एनके अग्रवाल बने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान के सचिव

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA),राजस्थान राज्य शाखा के हाल ही में संपन्न चुनावों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। निर्वाचन मुख्य आयुक्त द्वारा जारी परिणामो के अनुसार चौमूं निवासी डॉक्टर एनके अग्रवाल को राज्य सचिव चुना गया है। नवनिर्वाचित सचिव अग्रवाल ने बताया की नई कार्यकारिणी चिकित्सा जगत की समस्याओं के समाधान डॉक्टरों के हितों की रक्षा और प्रदेश में

स्वास्थ्य सेवाओं को श्रद्धबनाने के लिए कार्य करेगी उन्होंने कहा कि आईएमए समाज और चिकित्सकों के बीच सेतु का कार्य करती रहेगी।

चन्द अशआर

इक तू ही ज़माने में बहुत पाक मिला है
बाक़ी तमाम से कोई न कोई गिला है
कैसे कहूं के तुझ से इक सिलसिला है
कहने दे ज़माने को ये तो दिल जला है

मेरी जंग तुमसे ना लड़ी जाएगी
कह ने की बात ना कही जाएगी
हक़ीक़त में तुम नाज़ुक बहुत हो
फूलों की चोट है ना सही जाएगी

ऐ मोहब्बत तेरा सवाल नहीं
तुझसे बढ़कर कुछ हलाल नहीं
दिल की कश्ती है इसका क्या
डूब जाए तो कुछ मलाल नहीं

तेरी मेरी मोहब्बत पे बंटवारा हो गया
शहर का आधा पानी खारा हो गया
जुर्म दोनों ने किया देखा है शहर ने
तुम हो गये बरी कुसूर हमारा हो गया

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।
-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

घाट गेट स्थित ख्वाजा नगर अमृतपुरी नूरानी मस्जिद में 40 दिनों का हज ट्रेनिंग कैंप 30 मार्च से शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आज़मीने हज आप किस कदर खुश नसीब हैं के अल्लाह तआला ने आपको हज की इस्तेताअत अता फरमाई और इस मुक़द्दस सफर के लिए चुन लिया। हज के लिए रवानगी से पहले बा कायदा तरबियत हासिल की जाए तो ये सफर आसान हो जाता है। हज इस्लाम का अहम रूकन और फर्ज है जो माली और जिस्मानी इस्तेताअत रखने वाले हर मुसलमान आकिल व बालिग आज़ाद तंदरुस्त-तवाना मर्द और औरत पर जिन्दगी में एक मर्तबा हज करना फर्ज है। इस्लाम में हज महत्वपूर्ण इबादत है जिससे हमें मोहब्बत और उखुव्वत का दर्स मिलता है। हज व उमराह के लिए इस वर्ष मक्का मदीना जाने वाले हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर - 30 मार्च 2026 बरोज पीर को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक ख्वाजा नगर अमृतपुरी नूरानी मस्जिद में आयोजित होगा । जिस में दो घंटे काबा शरीफ के मॉडल के जरिये प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी । अनुभवी हज ट्रेनर मौलाना काजी वली मोहम्मद, शेरी हज यात्रियों को हज के दौरान अदा किए जाने वाले अरकानों के बारे में विस्तार से बताएंगे । ये ट्रेनिंग कैंप हज़रत अल्लामा मुफ्ती अब्दुल सत्तार रज़वी मुफ्ती-ए-शहर जयपुर की सरपरस्ती व हजरत अल्लामा कारी ऐहतराम आलम अज़ीजी मिस्बाही की सदारत में आयोजित किया जाएगा । जिस में शहर के उलेमा एवं इस्लागी विद्वान शामिल होंगे। मौलाना काजी वली मोहम्मद शेरी खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद ख्वाजा नगर अमृतपुरी घाट गेट में पिछले 18 सालों से लगातार 40 दिनों तक हज यात्रियों को ट्रेनिग देते आ रहे हैं । ट्रेन्ड हज ट्रेनर हाजी आकिल अहमद, हाजी मिर्ज़ा रज़ा अहमद, हाजी अब्दुल अजीज मन्सूरी, हाजी मोहम्मद इस्माईल अंसारी, (पिया) हाजी अब्दुल हमीद नूरी, हाजी मोहम्मद जावेद अन्सारी, हाजी हबीब हुसैन

ने बताया कि ये कैंप अंजुमन मुहिब्बाने अहले बैत ख्वाजा नगर अमृतपुरी के तत्वावधान में लगाया जाता है। इस मोके पर बड़ी संख्या में महिला व पुरुष कैंप में शिरकत करते हैं और हज के अरकान सीखकर ट्रेन्ड हो जाते हैं। अन्जुमन मुहिब्बाने अहेल बैत के सदस्य मोइनुद्दीन अन्सारी, मोहम्मद आरिफ अन्सारी, मोहम्मद अनस अंसारी, मोहम्मद मुनव्वर (लोहार) शाहाबुद्दीन जोया, अजीमुद्दीन, गोहम्मद इमरान हाजी मोहम्मद जावेद अंसारी, मोहम्मद नदीम अंसारी ने बताया कि अनुभवी हज ट्रेनर मौलाना वली मोहम्मद शेरी के साथ हज़रत मौलाना मुफ्ती हैदर अली मदनी,हजरत मौलाना सैयद शेर अली मदनी, हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी, हज़रत कारी शकील अहमद अशरफी, हज यात्रियों को हज्जे तमत्तो का तरीका एहराम बाधना, नियत करना, लब्बेक पढ़ना, इज़तिबा करना, तवाफ करना, सई करना, हल्क करना, जैसे सभी अरकानों सऊदी अरब के कानून एयरपोर्ट के नियम हज यात्रा के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सावधानियों और मदीना शरीफ में ताजदारे कायनात की बारगाह में बा अदब हाज़री के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे । वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने बताया कि कैंप में हज यात्रियों को हज गाइड दी जाएंगी।

कामवन में ईद मिलन समारोह, हमीद मेवाती थे मुख्य अतिथि

कामवन/भरतपुर (रॉयल पत्रिका) । कामवन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खेड़ा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला भरतपुर द्वारा होली एवं ईद मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और एकता का शानदार संदेश देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती शामिल हुए। उनके आगमन पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। अपने संबोधन में हमीद खान मेवाती ने कहा कि होली और ईद जैसे पर्व हमें प्रेम, सद्भाव और एकजुटता का संदेश देते हैं। ऐसे मिलन समारोह समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करते हैं तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अयुब खान, जंग बहादुर पठान, मोर्चा जिला अध्यक्ष याकूब खान राजपूत, कैथवाड़ा मंडल अध्यक्ष मोहन श्याम, जावेद खान, आरिफ खान धीमरी, चांद मोहम्मद सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा ग्रामीण मंडल का प्रशिक्षण वर्ग ग्राम पढ़ाना में आयोजित

-कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर रहे उपस्थित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय योजना के अनुसार आयोजित किया जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान -2026 के तहत सवाई माधोपुर ग्रामीण मंडल का प्रशिक्षण वर्ग ग्राम पढ़ाना में आयोजित किया गया । जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिन आज उद्घघाटन सत्र का शुभारंभ भारतमाता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ । उदघाटन सत्र के दौरान राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सवाई माधोपुर के विधायक डॉ. किरोडीलाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे वहीं प्रशिक्षण वर्ग की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने की । ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा ने जानकारी देते हुए बताया है कि उद्घघाटन सत्र के पश्चात प्रशिक्षण वर्ग में लगभग चार सत्र हुए जिसमें अलग-अलग

वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया, उद्घघाटन सत्र के दौरान पूर्व विधायक हंसराज शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष छगनलाल माहुर, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमप्रकाश शर्मा, सुरेशचंद जैन, बजरंगलाल जाट, जिला महामंत्री विनोद अटल, जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, ग्रामीण मंडल प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, पूर्व प्रधान मीरा सैनी, पूर्व जिला मंत्री जम्मूकुमार जैन, जिला उपाध्यक्ष पंडित लालचंद गौतम, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक मीणा, पूर्व सभापति राजेश गोयल मंचासीन रहे । कैबिनेट मंत्री डॉ किरोडीलाल मीणा ने प्रशिक्षण सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया और संगठन की विशेषताएं बताई । इसी क्रम में जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने संगठन की विचारधारा, वैचारिक अधिष्ठान सहित अन्य विषयों पर सत्र लिए । भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगनलाल माहुर ने पार्टी की कार्य पद्धति एवं कार्य विस्तार के विषय पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया ।

सांसद हरीश चन्द्र मीना ने लोकसभा में टोंक-सवाई माधोपुर में बढ़ती बेरोजगारी और अपराध पर जताई चिंता

-केंद्र सरकार से टोंक सवाई माधोपुर में की शैक्षणिक संस्थान खोलने की मांग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश चंद्र मीना ने लोकसभा के बजट सत्र के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को सदन के पटल पर रखा। उन्होंने क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, उसके फलस्वरूप बढ़ते अपराध और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की। लोकसभा में 'लोक महत्व के मुद्दे' के तहत बोलते हुए सांसद ने कहा कि बेरोजगारी के कारण क्षेत्र का युवा भटक रहा है और नशे के साथ-साथ साइबर क्राइम जैसे अपराधों की ओर अग्रसर हो रहा है, जिससे पूरा क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। सांसद ने केंद्र सरकार

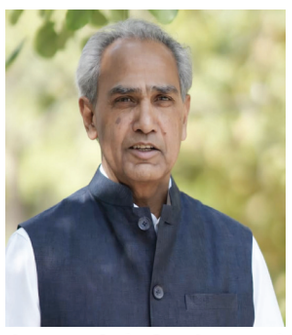

से मांग की है कि टोंक-सवाई माधोपुर जैसे पिछड़े क्षेत्र को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए **निम्नलिखित केंद्रीय शिक्षण संस्थान खोले जाएं:**
केंद्रीय विद्यालय (KV) और जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) की स्थापना।
सैनिक स्कूल और एकलव्य मॉडल स्कूल।
केंद्रीय आईटीआई (ITI) ताकि युवाओं को तकनीकी कौशल मिल सके।
अल्पसंख्यक वर्ग,विशेषकर महिलाओं के लिए विशेष शिक्षण संस्थान।
सांसद ने जोर देकर कहा कि यदि युवाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास के अवसर मिलेंगे, तो वे अपराध और नशे के दलदल से निकलकर देश के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इस क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा की सौगात जल्द से जल्द प्रदान की जाए।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री का आभार

एहसान पठान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी मानी जाने वाली अनंतपुरा से जैतपुरा सड़क के नवीनीकरण कार्य को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा जारी स्वीकृति के अनुसार जैतपुरा से अनंतपुरा (नवीनीकरण कार्य) कुल दूरी: 2.00 किलोमीटर के लिए 55 लाख

रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि यह मार्ग अनंतपुरा और जैतपुरा ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। पिछले लंबे समय से सड़क जर्जर होने के कारण ग्रामीणों और विशेषकर किसान भाइयों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों द्वारा इस सड़क के सुदृढ़ीकरण की मांग लगातार की जा रही थी, जिसे सरकार ने प्राथमिकता देते हुए बजट आवंटित किया है। रामलाल शर्मा ने कहा, "डबल इंजन की सरकार क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। 55 लाख की लागत से बनने वाली यह 2 किमी लंबी सड़क न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि स्थानीय किसानों को अपनी उपज मंडियों तक ले जाने में भी सुविधा प्रदान करेगी। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।" सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा, जिससे राहगीरों को आवागमन में सुगमता होगी।

अल्पसंख्यक लड़कियों को शिक्षित करने के लिए गुलशने जेहरा कोचिंग सेंटर के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । रहीमन कॉलोनी ईदगाह जयपुर में अल्पसंख्यक लड़कियों को उच्च्य शिक्षा व मोअल्लिमा कोर्स सिखाकर गरीब विद्यार्थियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से गुलशने जेहरा कोचिंग सेंटर शुरू किया गया हैं। गुलशने जेहरा कोचिंग सेंटर के पोस्ट का विमोचन राजस्थान मदरसा बोर्ड के पुर्व चेयरमैन मौलाना फजले हक व अलेमाओ द्वारा कोचिंग सेंटर पर उद्घाटन किया गया। कार्यकम में शहर के उलेमाओं ओर कई सामाजिक लोगो ने शिरकत की और उसे अल्पसंख्यक विद्यार्थियों

को उच्च्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। मौलाना फ़ज़ल हक़ ने कहा कोई भी समाज शिक्षा के बगैर उन्नति नहीं कर सकता। अल्पसंख्यक लड़कियों को उच्च्य शिक्षा ग्रहण कराना सामाज की ज़िम्मेदारी है। हम सब मिल कर इस पैगाम को आम करे ताकि शिक्षा के माध्यम से हम अपने सामाज व देश को उन्नति के रास्ते पर चलाए।

एमजीजीएस सिंगोद खुर्द में CCTV कैमरों का लोकार्पण, भामाशाहों का सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) सिंगोद खुर्द में मंगलवार को सीसीटीवी कैमरों के लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से 14 सीसीटीवी कैमरे, 43 इंच स्मार्ट टीवी, डबल बैटरी इन्वर्टर और वाटर फिल्टर भेंट किए गए। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच सरदारमल जाखड़ ने 14 सीसीटीवी कैमरे एवं 43 इंच स्मार्ट टीवी भेंट कर लोकार्पण किया। वहीं डॉ. मदन बराला (प्रबंधक निदेशक, कृषि विभाग बीकानेर) द्वारा डबल बैटरी इन्वर्टर तथा भामाशाह रोहिताश जाखड़ द्वारा वाटर फिल्टर विद्यालय को भेंट किया गया। इस अवसर पर सभी भामाशाहों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। संस्था प्रधान चंद्रशेखर बांकोलिया ने बताया कि सत्र 2025-26 में इंस्पायर अवॉर्ड के लिए चयनित चार विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया, जिनकी

तैयारी अध्यापिका सुनीता एवं मीनू यादव के निर्देशन में करवाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कृपानिधि त्रिवेदी रहे। विशिष्ट अतिथियों में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी,सिंगोद खुर्द,सज्जन सिंह, पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी सिंगोद कलां रमेशचंद बुटोलिया एवं एसएमसी अध्यक्ष लादूराम यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान कालूराम बांकोलिया, रामदेव शास्त्री, बजरंग सिंह शेखावत, शंकर सिंह शेखावत, मदनलाल जाखड़, सुरेश कुमार मीणा, गोवर्धन चौपड़ा, सुरेन्द्र चौपड़ा, श्रवण असावा, लक्ष्मण सिहाग, मुरलीधर टेलर, कानाराम जाखड़, जीवनराम झिगोनिया, लहरी, बंशीधर झिगोनिया, मालीराम कुमावत, स्योराम, गुलाबजी, शांतिलाल वर्मा, भूरामल झिगोनिया, श्याम सुंदर, सांवरमल जांगिड़ व मोहन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों व महिलाओं की उपस्थिति रही।

पृष्ठ एक का शेष....

राजस्थान में 1 अप्रेल से हो जाएंगे बड़े बदलाव.....

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद 21 जून से स्कूलों का संचालन फिर से शुरू होगा।

स्कूलों का समय भी बदलेगा:
इसके अलावा एक अप्रेल को नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों का समय बदल जाएगा, यह बदलाव 30 सितंबर तक रहेगा। शिविरा पंचांग के अनुसार एक अप्रेल से सरकारी स्कूलों की समय सारिणी में बदलाव होगा। एक पारी में चलने वाली स्कूल सुबह 7.30 बजे से 1 बजे तक और दो पारी में चलने वाली स्कूल सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। प्रत्येक पारी 5.30 घंटे की होगी। वर्तमान में सभी स्कूल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक है। वहीं, आंगनबाड़ी केंद्र सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक खुले रहेंगे।

रणथंभौर व सरिस्का में सफारी का समय बदलेगा:
रणथंभौर और सरिस्का टाइगर रिजर्व में 1 अप्रेल से सफारी का समय बदलेगा। नए समय के अनुसार 1 अप्रैल से मॉर्निंग शिफ्ट की सफारी सुबह 6 बजे से 9.30 बजे तक होगी। इवनिंग शिफ्ट की सफारी दोपहर 3 बजे से शाम 6.30 बजे तक चलेगी। यह समय 15 मई तक रहेगा। 16 मई से 30 जून तक शाम की पारी की सफारी दोपहर 3.30 से शाम 7 बजे तक होगी। सुबह की पारी का समय नहीं बदलेगा। अभी सफारी का समय सुबह 6:30 से 10 बजे तक और दोपहर 2:30 से शाम 6 बजे तक निर्धारित है। इसके अलावा जयपुर के आमेर में हाथी सवारी के समय में 1 अप्रेल से बदलाव होगा। अभी हाथी सवारी का समय सुबह 7 से 11.30 बजे तक है। लेकिन, 1 अप्रेल से हाथी सवारी का समय सुबह 7 से 10.30 बजे तक ही रहेगा।

सरकारी अस्पतालों का ओपीडी समय बदलेगा:
प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों का ओपीडी समय भी एक अप्रेल से बदल जाएगा। गर्मियों में ओपीडी सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक संचालित होगी। राजकीय अवकाश के दिन सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी रहेगी। इसके बाद इमरजेंसी खुली रहेगी, जहां लोग अपना इलाज करवा सकेंगे। अभी ओपीडी का समय सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक है।

13 अप्रेल से बदलेगा अदालतों का समय:
राजस्थान हाईकोर्ट सहित प्रदेश के सभी न्यायालयों के समय में बदलाव किया गया है। आगामी 13 अप्रेल से अदालतों में ग्रीष्मकालीन समय-सारिणी लागू हो जाएगी। अदालती कार्यवाही सुबह 8 बजे से शुरू होगी। यह नई व्यवस्था 28 जून तक पूरे प्रदेश में प्रभावी रहेगी।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मदरसे का सच आया सामने

बंद कमरे, गायब शिक्षक और ठप पढ़ाई ने खोली बड़ी पोल

-मदरसा इस्लामिया जबरशाह में शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

-स्कूल परिसर में सन्नाटा, शिक्षक और छात्र नदारद

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । चार दरवाजा स्थित मदरसा इस्लामिया जबरशाह, हसरत जयपुरी रोड में उस समय चौंकाने वाली स्थिति सामने आई जब रॉयल पत्रिका की टीम दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कूल पहुंची। उस समय न तो कोई शिक्षक मौजूद था और न ही कोई छात्र दिखाई दिया। आमतौर पर इस समय तक कक्षाएं चल रही होती हैं, लेकिन पूरा परिसर सुनसान पड़ा मिला, जिससे स्कूल की कार्य-प्रणाली पर सवाल खड़े हो गए।

धूल जमी टेबलें और बंद कक्षाएं बनी गवाह

स्कूल के कमरों का निरीक्षण करने पर टेबल-कुर्सियां एक तरफ जमा मिलीं, जिन पर काफी धूल जमी हुई थी। इससे साफ अंदाजा लगता है कि यहां लंबे समय से नियमित पढ़ाई नहीं हो रही। ब्लैकबोर्ड पर अंतिम तारीख 23 मार्च 2026 दर्ज मिली, जिसके बाद से कक्षाएं पूरी तरह ठप होने की स्थिति नजर आई।

वंदे मातरम कार्यक्रम के नाम पर पढ़ाई प्रभावित

मदरसे में 23 मार्च से 30 मार्च तक 'वंदे मातरम' कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी सामने आई। हालांकि, इस दौरान पढ़ाई पूरी तरह बंद रही। शिक्षा के बजाय कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यह सवाल उठता है कि क्या इस तरह के आयोजनों के चलते शिक्षा को नजरअंदाज करना उचित है।

दो कमरों में आठ कक्षाएं, शिक्षा पर सवाल

मदरसे के शिक्षकों के अनुसार छात्रो की संख्या काफी कम हैं और केवल दो टीचर्स के भरोसे कक्षा आठ तक की पढ़ाई कराई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पूरे स्कूल में सिर्फ दो ही कमरे हैं, जिनमें आठ कक्षाएं संचालित हो रही हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि क्या इस व्यवस्था में बच्चों को सही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकती है? यह स्थिति सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विभाग और सरकार की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

शादी-विवाह के कार्यक्रमों से बाधित होती शिक्षा

स्कूल भवन का उपयोग सामाजिक कार्यक्रमों, खासकर शादी-विवाह के लिए भी किया जाता है। इन आयोजनों के चलते बच्चों को समय से पहले छुट्टी दे दी जाती है या कक्षाएं पूरी तरह बंद कर दी जाती हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित हो रही है और स्कूल का मूल उद्देश्य पीछे छूटता नजर आता है।

स्कूल परिसर में बंदरों से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

स्कूल परिसर में बंदरों का आना-जाना भी एक गंभीर समस्या है। ऐसे में छोटे बच्चों की सुरक्षा पर हमेशा खतरा बना रहता है। सवाल यह है कि जब स्कूल में ही सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं है, तो बच्चे खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे? यह लापरवाही शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

अन्य मदरसों में भी दिख रही यही स्थिति

जानकारी के अनुसार, अल्पसंख्यक विभाग द्वारा संचालित अन्य मदरसों में भी इसी तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। रमजान के दौरान लंबे समय तक छुट्टियां और पढ़ाई में लापरवाही आम बात बनती जा रही है। इससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

प्रशासन से जवाबदेही और सुधार की मांग

इस पूरे मामले ने अल्पसंख्यक विभाग और संबंधित प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जयपुर ज़िले में मदरसों की मॉनिटरिंग की ज़िम्मेदारी जयपुर अल्पसंख्यक विकास अधिकारी की होती है । लेकिन अल्पसंख्यक विकास अधिकारी कैसी मॉनिटरिंग कर रहे हैं ? जबकि ज़्यादातर रजिस्टर्ड मदरसे मौके पर बंद नज़र आते हैं ?

जयपुर पर 'वर्ल्ड हेरिटेज' का दर्जा खोने का खतरा

यूनेस्को ने दी निष्कासन की सख्त चेतावनी

-ट्रैफिक जाम, ई-रिक्शा की भरमार और ऐतिहासिक ढांचे में छेड़छाड़ बनी बड़ी वजह, हेरिटेज नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर की विश्व प्रसिद्ध पहचान और 'वर्ल्ड हेरिटेज साइट' के दर्जे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। यूनेस्को (UNESCO) ने राजस्थान की राजधानी को एक बेहद गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि शहर की बिगड़ती व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार नहीं हुआ, तो इसे विश्व विरासत की सूची से निष्कासित किया जा सकता है। करीब 6 साल पहले (2019-20) जिस गौरव को हासिल करने के लिए सालों की मेहनत लगी थी, वह अब प्रशासनिक अनदेखी की भेंट चढ़ता नज़र आ रहा है।

ट्रैफिक और ई-रिक्शा ने बिगाड़ी सूरत

यूनेस्को ने अपनी चिट्ठी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को सबसे बड़ी चुनौती बताया है। शहर की संकरी गलियों और मुख्य बाजारों में ई-रिक्शाओं की अनियंत्रित संख्या और भारी जाम ने परकोटे की यूनिकनेस (विलक्षणता) को खत्म कर दिया है। छुट्टी के दिनों और त्योहारों के समय हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है।

मूल ढांचे के साथ छेड़छाड़ और अतिक्रमण

रिपोर्ट के अनुसार, हेरिटेज नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पुराने जयपुर के मुख्य ढांचे और इमारतों में लगातार बदलाव किए जा रहे हैं। हेरिटेज नगर निगम की बिना अनुमति या मिलीभगत से हो रहे अवैध कंस्ट्रक्शन ने गुलाबी शहर के मूल रंग और वास्तुकला को नुकसान पहुँचाया है। इसके अलावा, कोतवाली पुलिस थाने के बाहर और अन्य महत्वपूर्ण रास्तों पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण ने शहर की सुव्यवस्थित छवि को धूमिल कर दिया है। यहाँ तक कि पुलिस और सरकारी गाड़ियां भी बीच रास्तों में खड़ी होकर जाम का कारण बन रही हैं।

सफाई व्यवस्था भी 'फेल'

यूनेस्को की चेतावनी में शहर की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। जगह-जगह लगा कचरे का ढेर और अतिक्रमण 'वर्ल्ड हेरिटेज' के मापदंडों के बिल्कुल विपरीत है। स्थानीय प्रशासन और निगम को बार-बार आगाह करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है।

यूनेस्को की चेतावनी के मुख्य बिंदु:

अत्यधिक ट्रैफिक: ई-रिक्शा और निजी वाहनों का अनियंत्रित संचालन।

ऐतिहासिक स्वरूप में बदलाव: मूल गुलाबी रंग और इमारतों के ढांचे से छेड़छाड़।अवैध पार्किंग: सड़कों और मुख्य चौराहों पर पुलिस व अन्य गाड़ियों का बेतरतीब खड़ा होना।

अतिक्रमण और गंदगी: परकोटे के बाजारों में बढ़ता अतिक्रमण और कचरे का कुप्रबंधन।

क्या जयपुर के लिए ये शर्मनाक होगा?

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जयपुर वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट से बाहर होता है, तो यह न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी की बात होगी। इससे न केवल पर्यटन प्रभावित होगा, बल्कि शहर को मिलने वाली विशेष ग्रांट और पहचान भी खत्म हो जाएगी। अब गेंद प्रशासन के पाले में है कि वह इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेता है।

'नाहरी का नाका' बस्ती में गटर के पानी से गुजर रहे नमाजी

-'स्वच्छ राजस्थान' के दावों की खुली पोल

-शास्त्री नगर की बंदा बस्ती में नारकीय हालात; रमजान भर गंदगी में रहे लोग, अब ईद पर भी राहत की उम्मीद नहीं

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार और नगर निगम के अधिकारी भले ही जयपुर को सफाई के मामले में इंदौर से आगे ले जाने के दावे करते हों, लेकिन हकीकत इन दावों से कोसों दूर है। राजधानी के शास्त्री नगर स्थित नाहरी का नाका (बंदा बस्ती) में नगर निगम की लापरवाही ने आम जनजीवन को नारकीय बना दिया है। यहां की सड़कों पर बहता गटर का गंदा पानी और कचरे के ढेर 'स्वच्छ भारत मिशन' का मखौल उड़ा रहे हैं।

रमजान भर गंदगी का पहरा, ईद की पूर्व संध्या पर भी बेहाल

मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार 'ईद' भी निकल गया है, लेकिन स्थानीय निवासियों के लिए खुशियां गंदगी के साये में दबी हैं। अलविदा जुमे की नमाज के बाद बाहर निकले नमाजियों को गटर के पानी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरा रमजान का महीना इसी गंदगी के बीच बीत गया। क्षेत्रीय निवासी अब्दुल कलाम अंसारी ने बताया कि पार्षद और निगम के जमादार को कई बार गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

निगम की गाड़ी को पैसे देने को तैयार हैं लोग

रिपोर्ट के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। स्थानीय निवासी शायदा ने बताया कि गंदगी से परेशान होकर लोग अपनी जेब से पैसे (करीब रु. 500) इकट्ठा कर निगम के कर्मचारियों को देने को तैयार हैं ताकि सफाई हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम की गाड़ियां आती हैं और औपचारिकता पूरी कर चली जाती हैं, लेकिन चेंबर और नालियों की सफाई नहीं होती।

पार्षद और अधिकारियों की दलील: 'जनता जागरूक नहीं'

जब इस संबंध में क्षेत्रीय पार्षद (निवर्तमान) से बात की गई, तो उन्होंने सफाई के दावों को सही ठहराते हुए गेंद जनता के पाले में डाल दी। पार्षद का कहना था कि जनता जागरूक नहीं है और कचरा गाड़ी आने के बाद सड़कों पर गंदगी फैलाती है। वहीं, निगम के जमादार सुनील कुमार ने 'तकनीकी खामी' का हवाला देते हुए कहा कि मामला दो वार्डों (वार्ड 19 और 23) की सीमा का है। उन्होंने दावा किया कि आज शाम तक गटर लाइन और चेंबर को दुरुस्त कर दिया जाएगा।

बदहाली के मुख्य कारण:

गलत ड्रेनेज सिस्टम: 500-600 मकानों का कनेक्शन एक ही लाइन में होने से चेंबर ओवरफ्लो हो रहे हैं।

अधिकारियों की अनदेखी: स्थानीय जमादार और अधिकारियों द्वारा शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई न करना।

सीमा विवाद: दो वार्डों के बीच तालमेल की कमी के कारण सफाई व्यवस्था ठप।

संसाधनों का अभाव: सड़कों से कचरा उठाने और चेंबर साफ करने वाली मशीनों की अनियमितता।

क्या इंदौर को पीछे छोड़ेगा जयपुर?

जयपुर के सफाई कर्मचारी भले ही मेहनत का दावा करें, लेकिन शास्त्री नगर जैसे इलाकों के हालात देखकर यह सवाल लाजिमी है कि क्या जयपुर कभी इंदौर जैसी स्वच्छता हासिल कर पाएगा? जहाँ त्यौहारों के समय भी नमाजी और राहगीर गंदगी में चलने को मजबूर हैं, वहां 'चमचमाती सड़कों' के दावे केवल कागजी नज़र आते हैं।

सड़क सुरक्षा पर सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने दिया व्याख्यान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बाल निवास उद्यान, सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन, जयपुर में नवजीवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोडाला, जयपुर के विद्यार्थियों के लिए वार्षिकोत्सव के मौके पर सड़क सुरक्षा पर विद्यार्थियों के लिए यातायात नियमों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संसाधक व मुख्य वक्ता प्रादेशिक परिवहन कार्यालय सेकंड जयपुर में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता Road Safety expert इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित स्टाफ को सड़क सुरक्षा नियम, हेलमेट/सीट बेल्ट का महत्व, वाहन गति नियंत्रण, लेन-अनुशासन, मोबाइल का उपयोग न करना, नशे में वाहन न चलाना, वाहन फिटनेस, वाहन मेनटेनेंस, वाहन पंजीयन, BH सीरीज रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, गुड Samaritan, रोड सिग्नल, मोटर व्हीकल ड्राइविंग रेग्यूलेशन 2017, एवं यातायात नियमों जैसी विषय वस्तु पर सड़क सुरक्षा जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया। स्कूल के निदेशक सीताराम सूद एवं प्रिंसिपल जतिन सूद ने सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को माला पहनाकर एवं शॉल, साफा व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित चिंताजनक आंकड़ों तथा उनसे होने वाली दुर्घटनाओं और जनहानि के बारे में जानकारी दी। अंत में दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने और जागरूकता को आगे फैलाने का संकल्प लिया। अंत में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। ध्यातव्य है कि इंस्पेक्टर दिनेश सिंह पिछले कई वर्षों से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला रहे हैं जिसमें वह सैंकड़ों कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों लोगों को जागरूक कर चुके हैं।

टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ की राष्ट्रीय बैठक जयपुर में सम्पन्न

जयपुर। टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ की ओर से टेलीकॉम पेंशनभोगी प्रगतिशील संगठन केंद्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, एम.आई. रोड, जयपुर पर आयोजित हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में खुला सत्र रखा गया जिसमें अनेक हस्तियों ने संगठन एवं स्वयं की समस्याएं रखी। इस अवसर पर स्वागत भाषण एल. राशिद खान, उपाध्यक्ष, एलपीएफ और कार्यकारी अध्यक्ष, टीईपीएलआई ने किया। वहीं सीताराम बैरावा, महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान/एआईओएस टीपीपीओ ने अतिथियों का स्वागत राजस्थान की परम्परानुसार साफा पहनाकर किया। उद्घाटन भाषण के. नटरासन, अखिल भारतीय अध्यक्ष, एलपीएफ, को.सी. वल्लुवन, अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष, एलपीएफ का रहा। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि डॉ. के.एल. जैन, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, अतिथि विक्रम मालवीय, मुख्य महाप्रबंधक, राजस्थान सर्कल, विजयकुमार नेमीवाल, पीजीएम, राजस्थान सर्कल एवं जयपुर जिला अध्यक्ष पूर्व पार्षद ज़ाकिर खान रहे। अतिथि में श्रीमती नुसरत फरीदा, हाजी हारून गयावी एवं ज्योतिषी अजय अग्रवाल रहे। समारोह में पधारे लोगों का धन्यवाद ज्ञापन जे. विजयकुमार, संयुक्त सचिव, एलपीएफ और महासचिव, टीईपीयू ने किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट उनका सम्मान किया गया। इस कार्य के लिए ए. चेल्लापांडियन, महासचिव, टीपीपीओ की सराहना की गई। टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ एवं टेलीकॉम पेंशनभोगी प्रगतिशील संगठन की ओर से बैठक में अक्टूबर 2025 से 27 मार्च 2026 की अवधि के लिए टीपीपीओ-सीएचक्यू की गतिविधियों का विवरण सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर ज़िलाधीश को ज्ञापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जब से अमेरिका इज़राईल ईरान का युद्ध शुरू हुआ है तब से ही जयपुर शहर में एलपीजी गैस से चलने वाले हजारों की संख्या में वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के सभी एलपीजी गैस पंपों पर वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। ऑटो चालक एक दिन गैस भरवाता है और दूसरे दिन ऑटो चला पाता है। इसके अलावा एलपीजी गैस पम्प संचालकों ने मनमाने तरीके से रेट लगा रखा है। एक एलपीजी गैस पंप वाला 70 रू.95 पैसे में एक लीटर गैस दे रहा है, और दूसरा एलपीजी गैस पंप वाला 100 रू. में एक लीटर गैस दे रहा है। इन समस्याओं को देखते हुए उमराव कुरैशी (अध्यक्ष, जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन), फूलचन्द गुर्जर (अध्यक्ष, हिन्द ऑटो चालक मजदूर यूनियन (इंटक), बाबू भाई (अध्यक्ष, लाल झण्डा ऑटो चालक यूनियन (सीटू), अमर सिंह चौहान (अध्यक्ष, पिंकसिटी ऑटो यूनियन (एचएमएस), कुलदीप सिंह (अध्यक्ष, जयपुर महानगर तिपहिया वाहन चालक यूनियन), मुराद खान बलवान (अध्यक्ष, राजस्थान हैरिटेज ऑटो चालक यूनियन, जयपुर), राम सिंह (महामंत्री, जयपुर ऑटो चालक यूनियन, जयपुर) ने संयुक्त रूप से जयपुर के ज़िलाधीश को ज्ञापन देकर मांग की है कि जयपुर शहर में एल.पी.जी. वाहनों की संख्या को ध्यान में रखते हुए एल.पी.जी. गैस पम्पों की संख्या बढ़ाई जावे एवं जो पम्प बन्द हैं उन्हें पुनः चालू करवाया जावे तथा सभी एल.पी.जी. गैस पम्पों पर एक ही रेट निर्धारित कि जाये । सरकार से मांगों पर अतिशीघ्र समाधान करने कि गुजारिश कि गई है । साथ ही यह भी कहा है कि आपदा की स्थिति को देखते हुए सभी ऑटो चालक सरकार के साथ हैं, परन्तु यदि पम्प संचालकों द्वारा मनमानी की गई तो मजबूरन आन्दोलन की राह पकड़नी पड़ेगी।

भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 220वीं बैठक संपन्न

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 220वीं बैठक में शहर के समग्र विकास, सार्वजनिक परिवहन के विस्तार और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नॉन-फेयर रेवेन्यू गतिविधियों हेतु ग्राम मानपुरा (तहसील मौजमाबाद) में 7.45 हेक्टेयर तथा ग्राम भोजपुरा (तहसील फागी) में 10.0529 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय मेट्रो परियोजना को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी । इसके अतिरिक्त, शहर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 33/11 केवी जीएसएस के निर्माण हेतु ग्राम चकवाड़ा (तहसील फागी) में 1000 वर्गमीटर भूमि आवंटन को भी मंजूरी प्रदान की गई। इन फैसलों से जयपुर में विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और शहरी सुविधाओं के व्यापक विकास को रफ़्तार मिलेगी । बैठक में सचिव निशांत जैन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. प्रिया बलराम, उप आयुक्त दिग्गज चाँगल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अमेरिका का खाड़ी देशों पर वर्चस्व समाप्ति की ओर

पश्चिम एशिया के मुस्लिम देशों पर अमेरिका का एक अघोषित रूप से शासन चलता था। एकमात्र ईरान ही ऐसा देश है जो अमेरिका की मनमानी का विरोध करता आया है। अमेरिका ने अपनी मर्जी के शासक सऊदी अरब, संयुक्त अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन, मिश्र एवं ओमान आदि देशों में बिठा रखे हैं। अमेरिका ने इन देशों में धीरे-धीरे अपने सैन्य अड्डे विकसित किये और फिर इन देशों पर सैनिक कार्रवाई का डर दिखाकर और दूसरे दुश्मन देशों से रक्षा के नाम पर पैसा वसूलना शुरू कर दिया। अमेरिकी कंपनियों ने तेल उत्पादक मुस्लिम देशों में रिफाइनरियों, एयरपोर्ट्स, समुद्री पोर्ट, बिजनेस सेंटर एवं प्रॉपर्टी कॉम्प्लेक्स में भारी निवेश करना शुरू कर दिया। पश्चिमी मुस्लिम देशों से बड़ी मात्रा में धन अमेरिका आता था। अमेरिका की मज़बूत आर्थिक स्थिति के लिए पश्चिम के मुस्लिम देशों का बड़ा योगदान है। लेकिन अमेरिका का लालच यहीं नहीं रुका, अमेरिका ने इजराईल के जरिए मुस्लिम देशों को गुलाम बनाने की मंशा पाल ली। धीरे-धीरे मुस्लिम देशों के सर्वोच्च नेताओं की हत्या होने लगी। शासक बदले जाने लगे और विरोध में आए देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए या सैन्य ताकत से दबाया गया। मुस्लिम देशों को अमेरिका इसराईल और पश्चिमी देशों ने अस्थिर कर दिया। अमेरिका ने इज़राईल को एक आक्रामक देश बना दिया। इजराईल पड़ौसी मुस्लिम देशों पर जब चाहे जहां चाहे आक्रमण करने लगा। इज़राईल ने 25 वर्षों में ईरान के सैंकड़ों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, व्यवसायियों और राजनयिकों की हत्या कर दी। फिलिस्तीन की जमीन पर कब्जा कर लिया और लेबनान एवं सीरिया का एक बड़ा क्षेत्र कब्ज़े में ले लिया। इजराईल की इन कारगुजारियों को अमेरिका का पूरा समर्थन मिला। इज़राईल ने फिलीस्तीन के 70 हज़ार बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को मौत के घाट उतार दिया और अमेरिका की सहमति से फिलिस्तीनियों पर अत्याचार किये। अमेरिका एक महीने पहले इज़राईल के कहने पर आक्रमण कर दिया, जबकि अमेरिका से ईरान की शांति वार्ता चल रही थी। ईरान पर एक तरफा आक्रमण का विश्व में विरोध हुआ और अमेरिकी जनता ने भी विरोध शुरू कर दिया और अभी तक कर रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह निकलकर आई कि जिस तरह ईरान ने अपने ऊपर हुए आक्रमण का पलट वार किया उससे अमेरिका और ईरान के लेने देने के देने पड़ गए। ईरान ने इज़राईल का ज्यादातर इंफ्रास्ट्रक्चर समाप्त कर दिया और इज़राईल को भारी नुकसान पहुंचाया। ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के सैन्य बेसों का मिसाइलों और ड्रोनों से अटैक कर बर्बाद कर दिया। ईरान ने मुस्लिम देशों में अमेरिका की अन्य सुविधाओं जिनको वर्षों की मेहनत के बाद विकसित किया गया, कुछ दिन में ही बर्बाद कर दिया। ईरान यहीं पर नहीं रुका उसने अमेरिका के जितने भी ठिकाने खाड़ी देशों में उपस्थित थे चाहे वे सैन्य ठिकाने थे या असैन्य ठिकाने थे सभी पर अटैक करने की कोशिश की। जबकि अमेरिका का ईरान पर आक्रमण से पहले ऐसा अनुमान नहीं था वैसे अमेरिका और इज़राईल ने ईरान पर आक्रमण किए। उससे ईरान के बुनियादी ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। लेकिन ईरान ने पलटवार करके अमेरिका और इज़राईल को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। खाड़ी के मुस्लिम देशों में अमेरिका का वर्चस्व समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया है। धीरे-धीरे करके अमेरिका ने मुस्लिम देशों से अपने सैन्य अड्डे खाली करना शुरू कर दिया है। अमेरिका ईरान से युद्ध करने में भयभीत नज़र आने लगा है। अमेरिकी सैनिक युद्ध में मरने लगे हैं। ईरान ने अब तक अमेरिका और इज़राईल पर बढ़त दिखाई है। संभावना यही है कि इस युद्ध के बाद अमेरिका का मुस्लिम देशों पर कब्जा करने का सपना अधूरा रह सकता है।

पद्मश्री से सम्मानित भारत के महानतम फिल्म गीतकारों और कवियों में से एक थे - साहिर लुधियानवी

(8 मार्च 1921 – 25 अक्टूबर 1980)

अब्दुल हयी जो अपने उपनाम (तखल्लुस) साहिर लुधियानवी से लोकप्रिय थे, एक भारतीय कवि थे जिन्होंने हिंदी के अलावा मुख्य रूप से उर्दू में भी लिखा। उन्हें 20वीं सदी के भारत के महानतम फिल्म गीतकारों और कवियों में से एक माना जाता है। उनके काम ने भारतीय सिनेमा, विशेष रूप से हिंदी भाषा की फिल्मों को प्रभावित किया। साहिर ने ताज महल (1963) के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। उन्होंने कभी कभी (1976) में अपने काम के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का दूसरा फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। उन्हें 1971 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

8 मार्च 2013 को, साहिर के जन्म की 92 वर्षगांठ पर, इंडिया पोस्ट द्वारा उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।

साहिर का जन्म 8 मार्च 1921 को ब्रिटिश भारत के पंजाब राज्य के लुधियाना जिले के करीमपुरा में एक मुस्लिम गुर्जर परिवार में हुआ था। यही कारण है कि उन्होंने अपने नाम के आगे 'लुधियानवी' प्रत्यय जोड़ा। साहिर ने लुधियाना के खालसा हाई स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने लुधियाना के सरकारी कॉलेज में दाखिला लिया। वहाँ के सभागार का नाम उनके नाम पर रखा गया है। कॉलेज के छात्र के रूप में, साहिर अपनी ग़ज़लों और नज़्मों (उर्दू में कविता) और जोशीले भाषणों के लिए लोकप्रिय थे। 1943 में, साहिर लाहौर में बस गए। वहाँ उन्होंने अपनी पहली प्रकाशित उर्दू रचना ' तल्खियां ' (1945) पूरी की। वे अखिल भारतीय छात्र संघ के सदस्य थे। साहिर ने 'अदब-ए-लतीफ़' , 'शाहकार' , 'पृथलारी' और 'सवेरा' जैसी उर्दू पत्रिकाओं का संपादन किया। वे प्रगतिशील लेखक संघ के सदस्य बने। 1949 में, विभाजन के बाद, साहिर लाहौर से भागकर दिल्ली आ गए। आठ सप्ताह बाद, साहिर बंबई चले गए। बाद में वे मुंबई के उपनगर अंधेरी में रहने लगे। वहाँ उनके पड़ोसियों में कवि और गीतकार गुलज़ार और उर्दू साहित्यकार कृष्ण चंदर शामिल थे। साहिर आईपीटीए और प्रगतिशील लेखक संघ के सदस्य थे। फिल्म उद्योग में गीतकार के रूप में साहिर के काम ने उन्हें कवि के रूप में अपनी कमाई के अलावा आर्थिक स्थिरता प्रदान की। उन्होंने फिल्म आज़ादी की राह पर (1949) में चार गीतों के साथ अपने अभिनय की शुरुआत

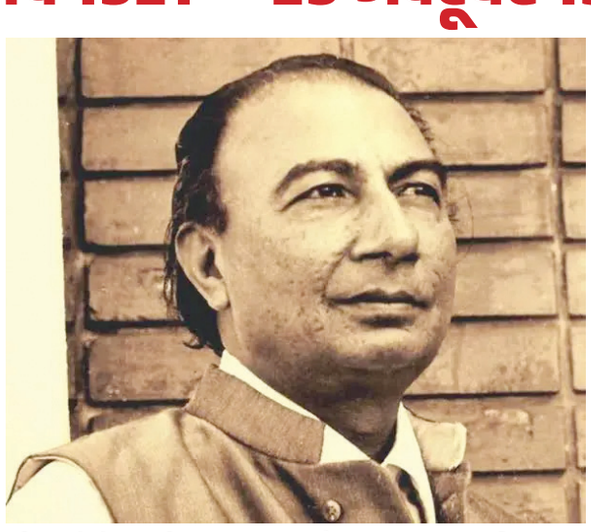

की। इनमें से एक गीत था ' बदल रही है जिंदगी' । फिल्म और उसके गाने लोगों की नजरों में नहीं आए। हालांकि, एसडी बर्मन के संगीत वाली फिल्म नौजवान (1951) के बाद साहिर को पहचान मिली। साहिर की सबसे बड़ी सफलता संगीतकार बर्मन के साथ बनी फिल्म बाज़ी (1951) थी। इसके बाद साहिर को गुरु दत्त की टीम का हिस्सा माना जाने लगा। बर्मन के साथ साहिर की आखिरी फिल्म प्यासा (1957) थी। इस फिल्म के बाद कलात्मक और संविदात्मक मतभेदों के कारण साहिर और बर्मन अलग हो गए। साहिर ने रवि , रोशन , खय्याम और दत्ता नाइक सहित अन्य संगीतकारों के साथ काम किया । गोवा के रहने वाले एन.दत्ता नाइक ने भी साहिर की शायरी की प्रशंसा की और उनके सहयोग से मिलाप (1955), चंद्रकांता (1956), साधना (1958), धूल का फूल (1959), धर्मपुत्र (1961) और नया रास्ता (1970) के लिए स्कोर तैयार किया। साहिर ने संगीत निर्देशक लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ इज्जत (1968), मन की आंखें (1970), दास्तान (1972) और दाग (1973) जैसी फिल्मों में भी काम किया। लगभग 1950 से अपनी मृत्यु तक, साहिर ने फिल्म निर्माता और निर्देशक बलदेव

राज चौपड़ा के साथ काम किया। चौपड़ा के लिए साहिर का आखिरी काम 'इंसाफ का तराजू' (1980) था। यश चौपड़ा ने बीआर फिल्म्स के लिए निर्देशन करते समय और बाद में एक स्वतंत्र निर्देशक और निर्माता के रूप में, साहिर की मृत्यु तक अपनी फिल्मों के लिए साहिर को गीतकार के रूप में भी नियुक्त किया। 1958 में, साहिर ने रमेश सहगल की फिल्म 'फिर सुबह होगी' के लिए गीत लिखे, जो फ्योदोर दोस्तोवस्की के उपन्यास 'क्राइम एंड पनिशमेंट ' पर आधारित थी । फिल्म में मुख्य पुरुष किरदार राज कपूर ने निभाया था । शंकर-जयकिशन फिल्म का संगीत तैयार करने वाले थे, लेकिन साहिर ने उपन्यास की गहरी समझ रखने वाले संगीतकार की मांग की। परिणामस्वरूप, खय्याम ने फिल्म का संगीत तैयार किया। ' वो सुबह कभी तो आएगी' गीत, जिसमें बहुत कम पृष्ठभूमि संगीत है, आज भी लोकप्रिय है। खय्याम ने साहिर के साथ कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'कभी कभी ' (1976) और 'त्रिशूल ' (1978) शामिल हैं।

साहिर एक विवादास्पद व्यक्ति थे क्योंकि वे कलात्मक रूप से बहुत ही सनकी थे। उनका ज़ोर इस बात पर था कि फिल्म का संगीत उनके गीतों के अनुसार रचा जाए, न कि इसके विपरीत। उन्होंने लता मंगेशकर से एक रुपया ज़्यादा वेतन की भी मांग की, जिससे उनके बीच मतभेद पैदा हो गया। साहिर ने अपनी प्रेमिका सुधा मल्होत्रा के गायन करियर को बढ़ावा दिया। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ऑल इंडिया रेडियो अपने प्रसारणों में फिल्म गीतों के गीतकारों को श्रेय दे।

साहिर का अमृता प्रीतम और बाद में सुधा मल्होत्रा के साथ प्रेम संबंध था। साहिर और प्रीतम की प्रेम कहानी 2014 की एक फिल्म का विषय बनने वाली थी, जिस पर प्रीतम के पोते ने कानूनी आपत्ति जताई थी। 25 अक्टूबर 1980 को, महज उनसठ वर्ष की आयु में, साहिर की अचानक हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई।

स्वतंत्रता की अनकही आवाज़ें:

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में मुस्लिम महिलाओं का क्षेत्रीय योगदान

भारत का स्वतंत्रता संग्राम कुछ महानगरों तक सीमित या केवल प्रमुख पुरुष नेताओं द्वारा संचालित एक ही आंदोलन नहीं था। यह एक गहन क्षेत्रीय, सामाजिक रूप से समाहित और समावेशी प्रतिरोध था जिसने उपमहाद्वीप के विविध समुदायों से शक्ति प्राप्त की। इस विशाल ताने-बाने में, बंगाल, अवध, दक्कन, पंजाब, मालाबार और रियासतों में फैली मुस्लिम महिलाओं ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुस्लिम महिलाओं के प्रतिरोध के सबसे शुरुआती और सबसे प्रभावशाली उदाहरणों में से एक अवध (वर्तमान उत्तर प्रदेश) में 1857 के विद्रोह के दौरान सामने आया। अवध की रानी बेगम हजरत महल सशस्त्र और राजनीतिक प्रतिरोध की एक अग्रणी हस्ती के रूप में जानी जाती हैं। अवध पर अंग्रेजों के कब्ज़े और नवाब वाजिद अली शाह के निर्वासन के बाद, उन्होंने लखनऊ में विद्रोह का नेतृत्व संभाला। उनके उद्घोषणाओं में ब्रिटिश नीतियों की निंदा की गई थी। पूर्व की ओर बंगाल में बढ़ते हुए, मुस्लिम महिलाओं ने बौद्धिक और शैक्षिक सक्रियता के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया। कलकत्ता और पटना में रहने वाली बेगम रुकैया सखावत हुसैन ने शिक्षा और साहित्य को प्रतिरोध के उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। मुस्लिम लड़कियों के लिए स्कूलों की स्थापना ने ऐसे स्थान बनाए जहां राजनीतिक जागरूकता चुपचाप पनप सकती थी। पंजाब में, जलियांवाला बाग हत्याकांड जैसी घटनाओं के आघात और उपनिवेशवाद-विरोधी आंदोलनों के उदय से मुस्लिम महिलाएं बहुत प्रभावित हुईं। शिक्षित मुस्लिम परिवारों की महिलाओं ने धन जुटाने, राहत कार्यों और राष्ट्रवादी प्रचार में भाग लिया। खिलाफत आंदोलन (1919-1924) पूरे भारत, विशेष रूप से उत्तर भारत, बॉम्बे प्रेसीडेंसी और मद्रास प्रेसीडेंसी में मुस्लिम महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस आंदोलन ने पहली बार महिलाओं को बड़े पैमाने पर जन राजनीति में शामिल किया। इस दौर की एक प्रमुख हस्ती उत्तर प्रदेश की बी अम्मा (आबादी बानो बेगम) थीं। औपचारिक शिक्षा के अभाव के बावजूद, उन्होंने विशाल जनसभाओं को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एकता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए बलिदान का आह्वान किया। बंबई और दक्कन में, बंबई, हैदराबाद और औरंगाबाद जैसे शहरी केंद्रों की मुस्लिम महिलाओं ने राष्ट्रवादी संगठनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। हैदराबाद रियासत में, जहाँ राजनीतिक असहमति को कड़ाई से नियंत्रित किया जाता था, मुस्लिम महिलाओं ने भूमिगत प्रतिरोध का समर्थन किया। महिलाओं ने सैन्य दमन, विस्थापन और सामाजिक उथल-पुथल का सामना किया, फिर भी सामुदायिक लचीलेपन को बनाए रखने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही। मद्रास प्रेसीडेंसी में, शिक्षित मुस्लिम महिलाओं ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले आंदोलनों में भाग लिया, शराब और विदेशी कपड़ों की दुकानों के सामने धरना प्रदर्शन किया और राष्ट्रवादी शिक्षा को बढ़ावा दिया। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में, मुस्लिम महिलाओं ने कताई को अपनाकर, खादी को बढ़ावा देकर और ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार करके गांधीवादी आंदोलनों में भाग लिया। छोटे शहरों और ग्रामीण पृष्ठभूमि की महिलाओं ने, भले ही आधिकारिक अभिलेखों में उनका उल्लेख न हो, राष्ट्रवादी आदर्शों को रोजमर्रा के व्यवहार में उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुस्लिम महिलाओं की क्षेत्रीय भागीदारी ने औपनिवेशिक आख्यानों का मुकाबला करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चाहे उत्तर भारत में जनसमूहों को संबोधित करना हो, बंगाल में लेखन करना हो या दक्षिण में विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करना हो, मुस्लिम महिलाओं ने अपनी स्वदेशी क्षमता और नैतिक अधिकार का प्रदर्शन किया।

रोज़ा क़िस्त छः ...

अब मैं आज के खुतबे में आपके सामने ज़कात की हक़ीक़त बयान करूँगा, ताकि आपको मालूम हो कि यह ज़कात अस्ल में है क्या चीज़ और इस्लाम में इसको क्यों इतनी अहमियत दी गई है? अल्लाह से कुरबत कैसे हासिल होती है? अक़्ल व सूझ-बूझ का इम्तिहान आपमें से कुछ लोग तो ऐसे सीधे-सादे होते हैं जो हर एक को दोस्त बना लेते हैं और कभी दोस्त बनाते वक़्त आदमी को परखते नहीं कि वह वाक़ई दोस्त बनाने के क़ाबिल भी है या नहीं। ऐसे लोग दोस्ती में अकसर धोखा खा जाते हैं और बाद में उनको बड़ी मायूसियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जो अक़्लमन्द लोग हैं, वे जिन लोगों से मिलते हैं उनको खूब परखकर, हर तरीक़े से जाँच-पड़ताल करके देखते हैं, फिर जो कोई उनमें से सच्चा, मुखलिस, वफ़ादार आदमी मिलता है, सिर्फ़ उसी को दोस्त बनाते हैं और बेकार आदमियों को छोड़ दिया करते हैं। अल्लाह तआला सबसे बढ़कर हकीम और दाना है। उससे यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह हर किसी को अपना दोस्त बना लेगा, अपनी जमाअत में शामिल कर लेगा और अपने दरबार में इज़्ज़त और कुर्बत की जगह देगा! जब इनसानों की दानाई व अक़्लमन्दी का तक़ाज़ा यह है कि वे बिना जाँचे और परखे किसी को दोस्त नहीं बनाते, तो अल्लाह, जो सारी दानाइयों और हिक्मतों का सरचश्मा है, उसके लिए तो नामुमकिन है कि बिना जाँचे और परखे हर एक को अपनी दोस्ती का दर्जा दे दे। ये करोड़ों इनसान जो ज़मीन में फैले हुए हैं, जिनमें हर क़िस्म के आदमी पाए जाते हैं-अच्छे और बुरे-सब-के-सब इस क़ाबिल नहीं हो सकते कि अल्लाह की उस पार्टी में शामिल कर लिए जाएँ, जिसे अल्लाह तआला दुनिया में अपनी ख़िलाफ़त का मर्तबा और आख़िरत में अपनी कुर्बत का दर्जा देना चाहता है। अल्लाह ने बड़ी हिकमत के साथ कुछ इम्तिहान, कुछ आज़माइशें, कुछ पैमाने जाँचने और परखने के लिए मुक़र्रर कर दिए हैं कि इनसानों में से जो कोई इनपर पूरा उतरे, वह तो अल्लाह की पार्टी में आ जाए और जो इनपर पूरा न उतरे, वह खुद-ब-खुद इस पार्टी से अलग होकर रह जाए और वह खुद भी जान ले कि मैं इस पार्टी में शामिल होने के क़ाबिल नहीं हूँ। ये मेयार या पैमाने क्या हैं? अल्लाह तआला चूँकि हकीम व दाना है, इसलिए सबसे पहला इम्तिहान वह आदमी की हिकमत व दानाई का ही लेता है। वह देखता है कि उसमें समझ-बूझ भी है या नहीं। कोरा बुद्ध तो नहीं है। इसलिए कि जाहिल और बेवकूफ़ कभी दाना और हकीम का दोस्त नहीं बन सकता। जो आदमी अल्लाह की निशानियों को देखकर पहचान ले कि वही मेरा मालिक और पैदा करनेवाला है, उसके सिवा कोई माबूद, कोई पालनहार, कोई दुआएँ सुनने और मदद करनेवाला नहीं है, और जो शख़्स अल्लाह के कलाम को सुनकर जान ले कि यह मेरे मालिक का ही कलाम है, किसी और का कलाम नहीं हो सकता, और जो शख़्स सच्चे नबी और झूठे दावे करनेवालों की ज़िन्दगी, उनके अख़लाक़, उनके मामलों, उनकी तालीमात, उनके कारनामों के फ़र्क़ को ठीक-ठीक समझे और पहचान जाए कि नुबूवत का दावा करनेवालों में से फुलाँ पाक ज़ात तो हक़ीक़त में खुदा की तरफ़ से हिदायत देने के लिए आई है, और फुलाँ दज्जाल है, धोखा देनेवाला है, ऐसा आदमी दानाई के इम्तिहान में पास हो जाता है और उसको इनसानों की भीड़-भाड़ से अलग करके अल्लाह तआला अपनी जमाअत के चुने हुए उम्मीदवारों में शामिल कर लेता है। बाक़ी लोग, जो पहले ही इम्तिहान में फेल हो जाते हैं, उनको छोड़ दिया जाता है कि जिधर चाहें, भटकते फिरें।अख़लाक़ी कुव्वत की आज़माइश इस पहले इम्तिहान में जो उम्मीदवार कामयाब हो जाते हैं उन्हें फिर दूसरे इम्तिहान में शामिल होना पड़ता है। इस दूसरे इम्तिहान में आदमी को अक़्ल के साथ उसकी अख़लाक़ी ताक़त को भी परखा जाता है। यह देखा जाता है कि इस आदमी में सच्चाई और नेकी को जानकर उसे मान लेने और उसपर अमल करने की और झूठ और बुराई को जानकर उसे छोड़ देने की ताक़त भी है या नहीं? यह अपने नफ़्स की ख़ाहिशों का, बाप-दादा के पीछे चलने का, ख़ानदानी रस्मों का, दुनिया के आम ख़यालात और तौर-तरीक़ों का गुलाम तो नहीं है? इसमें यह कमज़ोरी तो नहीं है कि एक चीज़ को खुदा की हिदायत के ख़िलाफ़ पाता है और जानता है कि वह बुरी है, मगर फिर भी उसी के चक्कर में पड़ा रहता है और दूसरी चीज़ को जानता है कि खुदा के नज़दीक वही हक़ और पसन्दीदा है, मगर इसपर भी उसे क़बूल नहीं करता? इस इम्तिहान में जो लोग फेल हो जाते हैं, उन्हें भी अल्लाह तआला अपनी पार्टी में लेने से इनकार कर देता है और सिर्फ़ उन लोगों को चुनता है जिनकी तारीफ़ यह है- "खुदा की हिदायत के ख़िलाफ़ जो भी रास्ता और तरीक़ा हो, उसे वे हिम्मत के साथ छोड़ दें, किसी चीज़ की परवा न करें और सिर्फ़ अल्लाह के बताए हुए रास्ते पर चलने के लिए तैयार हो जाएँ, भले ही उसपर कोई नाराज़ हो या खुश।"(कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-256) इताअत और फ़रमाँबरदारी की परख इस इम्तिहान में जो लोग कामयाब निकलते हैं उनको फिर तीसरे दरजे का इम्तिहान देना पड़ता है। इस दरजे में इताअत और फ़रमाँबरदारी का इम्तिहान है। यहाँ हुक्म दिया जाता है कि जब हमारी तरफ़ से ड्यूटी की पुकार बुलन्द हो तो अपनी नींद कुरबान करो और हाज़िर हो, अपने काम-काज का हरज करो और आओ। अपनी दिलचस्पियों को, अपने फ़ायदों को, अपने लुत्फ़ और तफ़रीह (सैर-सपाटे) को छोड़ो और आकर फ़र्ज पूरा करो। गर्मी हो, जाड़ा हो, कुछ हो, हर हाल में जब फ़र्ज़ के लिए पुकारा जाए तो हर कठिनाई को सहो और दौडे हए आओ। फिर जब हम हुक्म दें तो सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे रहो, और अपने नफ़्स की खाहिशों को रोको, तो इस हुक्म की पूरी-पूरी तामील होनी चाहिए, भले ही भूख-प्यास में कैसी ही तकलीफ़ हो और चाहे मज़ेदार खानों और शरबतों का ढेर ही सामने क्यों न लगे हुए हों। जो लोग इस इम्तिहान में कच्चे निकलते हैं उनसे भी कह दिया जाता है कि तुम हमारे काम के नहीं हो। चुनाव सिर्फ़ उन लोगों का होता है जो इस तीसरे इम्तिहान में भी पक्के साबित होते हैं, क्योंकि सिर्फ़ उन ही से यह उम्मीद की जा सकती है कि खुदा की तरफ़ से जो क़ानून उनके लिए बनाए जाएँगे और जो हिदायतें उनको दी जाएँगी, वे छिपे और खुले, फ़ायदे और नुक़सान, आराम और तकलीफ़, हर हाल में उनकी पाबन्दी कर सकेंगे।माल की कुरबानी की जाँच इसके बाद चौथा इम्तिहान माल की कुरबानी का लिया जाता है। तीसरे इम्तिहान के कामयाब उम्मीदवार अभी इस क़ाबिल नहीं हुए कि खुदा की सेवा में बाक़ायदा ले लिए जाएँ। अभी यह देखना है कि कहीं वे छोटे दिल के, पस्त हिम्मत, कम हौसला और तंग-ज़र्फ़ तो नहीं हैं? उन लोगों में से तो नहीं हैं जो मुहब्बत और दोस्ती के दावे तो लम्बे-चौड़े करते हैं, मगर महबूब और दोस्त की ख़ातिर जब गिरह से कुछ ख़र्च करने का वक़्त आता है तो बगलें झाँकते हैं। उनका हाल उस शख़्स जैसा तो नहीं है जो ज़बान से तो माताजी-माताजी कहता है और माताजी की ख़ातिर दुनिया-भर से झगड़ा भी लेता है, मगर जब वह माताजी उसके अनाज की टोकरी या उसकी सब्ज़ी के ढेर पर मुँह मारती है तो लट्ठ लेकर उसके पीछे दौड़ता है और मार-मारकर उसकी खाल उड़ा देता है। ऐसे खुद-ग़रज़, ज़र-परस्त, तंगदिल आदमी को तो मामूली दरजे का अक़्लमन्द इनसान भी दोस्त नहीं बनाता, और एक बड़े दिलवाला इनसान इस क़िस्म के ओछे आदमी को अपने पास जगह देना भी पसन्द नहीं करता। फिर भला वह बुज़ुर्ग व बरतर खुदा, जो अपने ख़ज़ाने हर वक़्त अपनी अनगिनत मख़लूक़ पर हद से ज़्यादा लुटा रहा है, ऐसे शख़्स को अपनी दोस्ती के क़ाबिल कब समझ सकता है जो खुदा के दिए हुए माल को खुदा की राह में ख़र्च करते हुए भी जी चुराता हो? और वह खुदा, जिसकी दानाई व हिकमत सबसे बढ़कर है, किस तरह ऐसे आदमी को अपनी पार्टी में शामिल कर सकता है जिसकी दोस्ती व मुहब्बत सिर्फ़ ज़बानी जमा ख़र्च तक हो और जिसपर कभी भरोसा न किया जा सकता हो? तो जो लोग इस चौथे इम्तिहान में फेल हो जाते हैं, उनको भी साफ़ जवाब दे दिया जाता है कि जाओ, तुम्हारे लिए अल्लाह की पार्टी में जगह नहीं है। तुम भी नाकारा हो और तुम इस सबसे बड़ी ख़िदमत का बोझ सम्भालने के क़ाबिल नहीं हो जो खुदा के ख़लीफ़ा के सिपुर्द की जाती है। इस पार्टी में तो सिर्फ़ वे लोग शामिल किए जाते हैं जो अल्लाह की मुहब्बत पर जान, माल, औलाद, ख़ानदान, वतन, हर चीज़ की मुहब्बत को कुरबान कर दें। कुरआन में अल्लाह कहता है- "तुम नेकी के दर्जे को नहीं पा सकते जब तक वे चीजें खुदा की राह में कुरबान न करो जिनसे तुमको मुहब्बत है।"(कुरआन, सूरा-3 आले-इमरान, आयत-92) हिज़बुल्लाह (अल्लाह की पार्टी) के लिए मतलूबा सिफ़ात (1) तंगदिल न हों इस पार्टी में तंगदिलों के लिए कोई जगह नहीं है। इसमें तो सिर्फ़ वही लोग दाखिल हो सकते हैं जिनके दिल बड़े हों। अल्लाह कहता है- "जो लोग दिल की तंगी से बच गए वही फ़लाह पानेवाले हैं।" (कुरआन, सूरा-59 हश्र, आयत-9) (2) बड़े हौसलेवाले हों यहाँ तो ऐसे बड़े हौसलेवाले लोगों की ज़रूरत है कि अगर किसी आदमी ने उनके साथ दुश्मनी भी की हो, उनको रंज और नुक़सान भी पहुँचाया हो, उनके दिल के टुकड़े भी उड़ा दिए हों, तब भी वे खुदा की ख़ातिर उसके पेट को रोटी और उसके तन को कपड़ा देने से इनकार न करें और उसकी मुसीबत के वक़्त मदद से झिझकें नहीं। अल्लाह कहता है- "तुममें से जो बड़े और खुशहाल लोग हैं वे अपने अज़ीज़ों, मिसकीनों और खुदा की राह में हिजरत करनेवालों की मदद से हाथ न खींच लें, बल्कि चाहिए कि उनको माफ़ करें और दरगुज़र करें। क्या तुम नहीं चाहते कि अल्लाह तुम्हें बख़्शे? हालाँकि अल्लाह बड़ा बख़्शनेवाला और रम करनेवाला है।" (कुरआन, सूरा-24 नूर, आयत-22) (3) बड़े दिलवाले हों यहाँ उन बड़े लवालों की ज़रूरत है जो-"सिर्फ़ खुदा की मुहब्बत में मिसकीन और यतीम और क़ैदी को खाना खिलाते हैं और कहते हैं कि हम सिर्फ़ खुदा के लिए तुम्हें खिला रहे हैं, तुमसे कोई बदला या शुक्रिया नहीं चाहते।" (कुरआन, सूरा-76 दह, आयत-8, 9)(4) पाक दिल हों यहाँ उन पाक दिलवालों की ज़रूरत है जो खुदा की दी हुई दौलत में से खुदा की राह में अच्छे-से-अच्छा माल छाँटकर दें।

जारी.....

19 मार्च यौमे विलादत पर विशेष....

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भरोसेमंद लोगों में से एक कर्नल मेहबूब अहमद

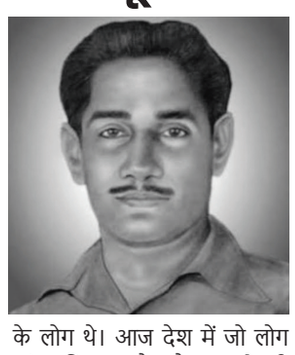

आजाद हिंद फौज के नायक और अंग्रेजी साम्राज्य से टक्कर लेने वाले एक महान योद्धा कर्नल मेहबूब अहमद का जन्म 19 मार्च 1920 को पटना के एक छोटे से गांव में हुआ। उनके पिता डॉक्टर थे इसलिए महबूब की पढ़ाई लिखाई भी अच्छे माहौल में हुई। शुरुआती पढ़ाई देहरादून में हुई उसके बाद मेहबूब अहमद इंडियन मिलिट्री एकेडमी I. M. A. देहरादून में पढ़े। अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर के ब्रिटिश सेना में सेकंड लेफ्टिनेंट के पद पर भर्ती हुए। दरअसल एक मौके पर कर्नल मेहबूब अहमद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश प्रेम से जुड़ा एक भाषण सुना, जिससे वह अंग्रेज़ी हुकूमत की नौकरी छोड़कर आजाद हिंद फौज में शामिल होने का जज्बा दिया। दिलचस्प बात यह है कि म्यांमार की सीमा पर कर्नल मेहबूब अमहद की पहली मुठभेड़ ब्रिटिश सेना से ही हो गई। जिसमें उन्होंने अंग्रेजी सेना के छक्के छुड़ाकर आजाद हिंद फौज को ऐतिहासिक जीत दिलाई। 1944 में इंफाल के करीब एक लंबी लड़ाई के बाद आज़ाद हिंद फौज के योद्धा कर्नल शौकत मलिक, लाल सिंह, रामप्रसाद मोहम्मद खान, मेजर आबिद हसन के साथ मिलकर उन्होंने इंफाल में आजाद हिंद फौज का परचम लहरा दिया। आजाद हिंद फौज में सभी धर्मों के लोग थे। आज देश में जो लोग सांप्रदायिक माहौल पैदा करने की कोशिश करते हैं उन्हें इन जांबाज़ों की जीवनी पढ़ने की जरूरत है। कर्नल मेहबूब अहमद अपनी किताब 'मौत की मस्ती और जीने का शौक' में अपने साथियों को याद करते हुए लिखते हैं कि तमाम चेहरे जो हर पल मेरे साथ आस-पास साए की तरह हैं वे सब हमारे साथी दोस्त हैं। जिनमें कर्नल हबीब, कैप्टन रामसिंह, शौकत मलिक से लेकर हम सबके चहते अज़ीज़ नेताजी सुभाष चंद्र बोस हैं। नेताजी जिनकी कल्पना भर से हमारी भुजाएं फड़कने लगती हैं और काफी देर तक कानों में जय हिंद का शंखनाद गूंजता रहता है। उनकी यह किताब 1993 में उर्दू ज़बान में बिहार की ऐतिहासिक लाइब्रेरी से प्रकाशित कराई थी। कर्नल मेहबूब अहमद ने आखरी सांस 9 जून 1992 में ली, जिनके कानों में आखरी सांस तक गूंजता रहा 'जय हिंद'

रेलवे में अप्रेंटिस के 2,801 पदों पर निकली भर्ती

दक्षिण मध्य रेलवे के आरआरसी (RRC SCR) ने अप्रेंटिस पदों पर 2,801 भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 11 अप्रैल तय की गई है।

आवेदन शुरू :
12 मार्च से 11 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कम से कम 50% अंकों के साथ 10वीं पास।
संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में रेलवे नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

स्टाइपेंड :
8,000 - 12,000 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला, ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apprentice Recruitment 2026 से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

IDBI बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर की भर्ती, एज लिमिट 45 साल

आईडीबीआई बैंक ने स्पेशलिस्ट ऑफिसर के 33 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट idbibank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
25 मार्च से 08 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ऑडिट - इंफॉर्मेशन सिस्टम (IS) - ग्रेड-सी:
आईटी, कंप्यूटर साइंस या इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.टेक/बीई या ग्रेजुएशन सीआईएसए के साथ सर्टिफिकेट होना चाहिए। कम से कम 7 साल का अनुभव जिसमें 4 साल आईएस ऑडिट या साइबर सुरक्षा ऑडिट का अनुभव शामिल है।
रिस्क मैनेजमेंट - इंफॉर्मेशन सिस्टम (Grade C & B) :
कंप्यूटर साइंस, आईटी या इलेक्ट्रॉनिक्स में बीई/बीटेक, एमसीए या एमएससी की डिग्री। ग्रेड-सी के लिए 7 साल का अनुभव चाहिए, जिसमें 4 साल इंफॉर्मेशन सिस्टम का अनुभव हो। ग्रेड बी के लिए 4 साल का अनुभव जिसमें 2 साल इंफॉर्मेशन सिस्टम में काम किया हो।
आईटी और एमआईएस (IT & MIS) - ग्रेड डी, सी और बी:
कंप्यूटर साइंस, आईटी या इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्रेजुएशन। पोस्ट ग्रेजुएशन वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रेड डी के लिए 10 साल (7 साल संबंधित काम में), ग्रेड सी के लिए 7 साल (4 साल संबंधित काम में) और ग्रेड बी के लिए 4 साल (2 साल संबंधित काम में) अनुभव होना चाहिए।
सिक्योरिटी ऑफिसर ग्रेड-डी:
12वीं पास या डिप्लोमा। उम्मीदवार भारतीय सेना, नौसेना या वायु सेना से रिटायर्ड JCO होना चाहिए। कम से कम 15 साल का वर्क एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
25 - 45 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी,ईडब्ल्यूएस : 1050 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
ग्रुप डिस्कशन
पर्सनल इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
1,24,000 - 1,97,000 रुपए प्रति माह

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
आवेदक का आधार कार्ड
शिक्षा के प्रमाण पत्र (10th, 12th Marksheet)
पासपोर्ट साइज फोटो
रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर
ईमेल आईडी
स्थायी निवासी प्रमाण पत्र
सिग्नेचर
जाति प्रमाण पत्र

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट idbibank.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

SSB में 1060 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 80 हजार से ज्यादा सैलरी

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल के 1060 पदों पर भर्ती का ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती का विज्ञापन 21 से 27 मार्च 2026 के रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

आवेदन शुरू :
21 मार्च से 20 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं, 12वीं पास
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल,ओबीसी,ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,पूर्व सैनिक, महिला : निःशुल्क
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट/टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
डिटेल्ड मेडिकल एग्जामिनेशन

सैलरी :
21,700 - 81,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

हेवी व्हीकल फैक्ट्री में 450 भर्ती, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

हेवी व्हीकल फैक्ट्री ने अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार एनएटीएस पोर्टल nats.education.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की लिस्ट 30 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 6 मई 2026 से लेकर 8 मई 2026 तक होगा। इन तीनों ही पदों के लिए अप्रेंटिस की ट्रेनिंग 1 साल के लिए दी जाएगी।

आवेदन शुरू :
16 मार्च से 20 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिग्री।
टेक्नीशियन अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा।
नॉन इंजीनियरिंग ग्रेजुएट : आर्ट्स/साइंस/कॉमर्स ह्यूमैनिटीज में ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट :
अप्रेंटिसशिप नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 18 हजार रुपए प्रतिमाह
टेक्नीशियन अप्रेंटिस : 16,200 रुपए प्रतिमाह
नॉन इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 18 हजार रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
एनएटीएस पोर्टल nats.education.gov.in पर जाएं।
मांगी गई जानकारी भरें और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में 323 पदों पर भर्ती

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) में कोच के 323 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार SAI की ऑफिशियल वेबसाइट sportsauthorityofindia.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
23 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एसएआई एनएस-एनआईएस पटियाला या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कोचिंग में डिप्लोमा।

एज लिमिट :
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल : 2,500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एक्स-सर्विसमैन, महिला : 2,000 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी)
कोचिंग योग्यता परीक्षण (सीएटी)
शॉर्टलिस्टिंग
मेरिट लिस्ट

सैलरी :
35,400 से 1,12,400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट sportsauthorityofindia.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर APPLY ONLINE JOBS लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक के आगे Click here to Apply Online पर क्लिक करें।
Register a new user लिंक पर क्लिक करके पहले रजिस्ट्रेशन करें।
इसके बाद लॉगिन के माध्यम से फॉर्म भरें।

रॉयल पत्रिका
जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -
9772552446/9799559096

NHAI का समर इंटर्नशिप 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

देश की सड़कों और हाइवे के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स को करीब से देखने और समझने का सपना अगर आपके मन में है, तो यह खबर आपके लिए खास है। National Highways Authority of India यानी NHAI ने समर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। इस इंटर्नशिप के जरिए छात्रों को सिर्फ किताबों की पढ़ाई नहीं, बल्कि जमीन पर चल रहे हाइवे प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिलेगा। सबसे खास बात यह है कि चुने गए छात्रों को हर महीने 20,000 का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा, साथ ही इंटर्नशिप पूरी करने पर प्रमाण पत्र मिलेगा। इस इंटर्नशिप के लिए छात्र आधिकारिक पोर्टल internshipsatnhaildigitalindiacorporation.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की आखिरी तारीख 15 अप्रैल 2026 तय की गई है। इसलिए जो छात्र इस मौके का फायदा उठाना चाहते हैं, वे समय रहते आवेदन कर लें।

किन छात्रों के लिए है मौका
यह इंटर्नशिप सिर्फ सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ही नहीं है। NHAI ने अलग-अलग विषयों के छात्रों के लिए आवेदन खोले हैं। सिविल इंजीनियरिंग के साथ-साथ कंप्यूटर साइंस, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा साइंस, फाइनेंस, लॉ, मैनेजमेंट, कॉमर्स और मास कम्युनिकेशन के छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। यानि तकनीकी और गैर-तकनीकी, दोनों तरह के छात्रों के लिए यह सुनहरा अवसर है।

किस तरह का मिलेगा काम
सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को हाइवे डिजाइन, ट्रैफिक प्लानिंग और निर्माण कार्य की निगरानी से जुड़े काम दिए जाएंगे। वहीं दूसरे विषयों के छात्र डेटा एनालिसिस, आईटी सिस्टम, टोल ऑपरेशन, कानूनी काम और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे कामों में सहयोग करेंगे।

हर साल 500 छात्रों को मौका
NHAI की योजना है कि हर साल करीब 500 छात्रों को इस इंटर्नशिप से जोड़ा जाए। इस कार्यक्रम को उच्च शिक्षा विभाग और All India Council for Technical Education (AICTE) के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इसका मकसद छात्रों में तकनीकी और प्रबंधन से जुड़ी समझ को मजबूत करना है, ताकि वे भविष्य में बड़े प्रोजेक्ट्स पर बेहतर तरीके से काम कर सकें।

क्या मिलेगा फायदा
इस इंटर्नशिप का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्रों को सीधे हाइवे प्रोजेक्ट्स के बीच काम करने का मौका मिलेगा। वे देख सकेंगे कि बड़े स्तर पर काम कैसे होता है, किस तरह तकनीक का इस्तेमाल होता है और टीम के साथ मिलकर प्रोजेक्ट कैसे पूरे किए जाते हैं।

ऐसे करें आवेदन
आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। छात्र आधिकारिक पोर्टल पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें, जरूरी जानकारी भरें और दस्तावेज अपलोड करें। आवेदन पूरा करने के बाद उसका प्रिंट या कॉपी अपने पास रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी)

(रणनीति)

171. विजयनगर साम्राज्य की अंतिम लड़ाई कौन-सी थी?
(A) रौप्य युद्ध
(B) तालीकोट की लड़ाई
(C) खानवा का युद्ध
(D) पानीपत का युद्ध
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1565 ई. में तालीकोट के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य बीजापुर, गोलकुंडा आदि मुस्लिम राज्यों से पराजित हुआ।

172. बहमनी साम्राज्य की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) गुलबर्गा (B) बीदर
(C) बीजापुर (D) दाउलताबाद
उत्तर: (A)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 ई. में गुलबर्गा को राजधानी बनाकर अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने की थी।

173. बहमनी साम्राज्य की स्थापना किसके शासनकाल में हुई?
(A) मोहम्मद बिन तुगलक
(B) फिरोजशाह तुगलक
(C) सिकंदर लोदी (D) बाबर
उत्तर: (A)
व्याख्या: मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल (1325–1351) में बहमनी साम्राज्य ने दिल्ली से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

174. बहमनी साम्राज्य की राजधानी बाद में कहाँ स्थानांतरित की गई?
(A) गुलबर्गा से बीदर
(B) बीदर से बीजापुर
(C) गुलबर्गा से दाउलताबाद
(D) बीदर से गोलकुंडा
उत्तर: (A)
व्याख्या: बाद में बहमनी सुल्तानों ने राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित कर दी।

175. बहमनी साम्राज्य का विभाजन कितने राज्यों में हुआ था?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) सात
उत्तर: (C)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य के पतन के बाद यह पाँच दक्कनी राज्यों में विभाजित हुआ — बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर, बेरार और बीदर।

176. 'कुतुबशाही वंश' की राजधानी थी —
(A) बीदर (B) गोलकुंडा
(C) बीजापुर (D) अहमदनगर
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबशाही वंश की राजधानी गोलकुंडा थी, जिसे बाद में हैदराबाद कहा गया।

177. गोलकुंडा अपने किस उत्पाद के लिए प्रसिद्ध था?
(A) रेशम (B) हीरे
(C) इत्र (D) घोड़े
उत्तर: (B)
व्याख्या: गोलकुंडा विश्व प्रसिद्ध हीरों का केंद्र था; कोहिनूर जैसे हीरे यहीं से प्राप्त हुए।

178. 'आदिलशाही वंश' की राजधानी थी —
(A) अहमदनगर (B) बीजापुर
(C) बीदर (D) गोलकुंडा
उत्तर: (B)
व्याख्या: आदिलशाही वंश की राजधानी बीजापुर थी, जहाँ गोल गुम्बज जैसी स्थापत्य कृतियाँ बनीं।

179. गोल गुम्बज का निर्माण किसने करवाया?
(A) मोहम्मद आदिलशाह
(B) इब्राहिम आदिलशाह
(C) हसन बहमन
(D) अबुल फजल
उत्तर: (A)
व्याख्या: गोल गुम्बज का निर्माण बीजापुर के सुल्तान मोहम्मद आदिलशाह ने करवाया था।

180. विजयनगर साम्राज्य के राजाओं की भाषा थी —
(A) संस्कृत (B) तेलुगु
(C) कन्नड़ (D) तमिल
उत्तर: (C)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य के अधिकांश शासक कन्नड़ और तेलुगु भाषा के ज्ञाता थे, पर शासन की भाषा कन्नड़ थी।

181. हरिहर और बुक्का किस धार्मिक संत से प्रभावित थे?
(A) बसव (B) मध्वाचार्य
(C) रामानुजाचार्य (D) विद्यारण्य
उत्तर: (D)
व्याख्या: विजयनगर के संस्थापक हरिहर और बुक्का संत 'विद्यारण्य' से अत्यधिक प्रभावित थे।

182. बहमनी साम्राज्य की प्रशासनिक भाषा क्या थी?
(A) अरबी (B) फ़ारसी
(C) उर्दू (D) तेलुगु
उत्तर: (B)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य की प्रशासनिक भाषा फ़ारसी थी, जैसा अधिकांश मुस्लिम राज्यों में प्रचलित था।

183. विजयनगर साम्राज्य का पतन कब हुआ?
(A) 1556 (B) 1565
(C) 1576 (D) 1605
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1565 ई. में तालीकोट के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य पराजित हुआ, जिससे उसका पतन हुआ।

184. "आठ मिनारों वाला शहर" किसे कहा जाता था?
(A) बीजापुर (B) गोलकुंडा
(C) हम्पी (D) दिल्ली
उत्तर: (A)
व्याख्या: बीजापुर को "आठ मिनारों वाला शहर" कहा जाता था, जहाँ मुगल स्थापत्य की झलक मिलती है।

185. बहमनी और विजयनगर राज्यों के बीच कौन-सी नदी सीमा थी?
(A) गोदावरी (B) कृष्णा
(C) तुंगभद्रा (D) कावेरी
उत्तर: (C)
व्याख्या: बहमनी और विजयनगर साम्राज्य के बीच तुंगभद्रा नदी सीमा रेखा के रूप में कार्य करती थी।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

ग्रेजुएशन के बाद क्या करें? युवाओं के लिए सबसे बेहतर कोर्स और करियर विकल्प सामने

नई दिल्ली/जयपुर। आज के दौर में केवल ग्रेजुएशन की डिग्री करियर बनाने के लिए पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। तेजी से बदलती जॉब मार्केट, नई टेक्नोलॉजी और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच युवाओं के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ग्रेजुएशन के बाद कौन-सा कोर्स किया जाए जिससे बेहतर नौकरी और स्थिर करियर मिल सके। करियर एक्सपर्ट्स का कहना है कि सही कोर्स का चुनाव ही भविष्य तय करता है। युवाओं को अपनी रुचि, स्किल और मार्केट की मांग को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। वर्तमान समय में MBA, डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग और प्रोफेशनल कोर्स जैसे CA, CS और LLB सबसे ज्यादा डिमांड में हैं।

MBA बना पहली पसंद
मैनेजमेंट फील्ड में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए MBA सबसे लोकप्रिय विकल्प बना हुआ है। इस कोर्स के जरिए छात्र मार्केटिंग, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स और ऑपरेशन्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। बड़ी कंपनियों में बेहतर सैलरी और ग्रोथ के अवसर मिलने के कारण MBA की डिमांड लगातार बढ़ रही है।

डेटा साइंस में सुनहरा भविष्य
डिजिटल युग में डेटा की अहमियत तेजी से बढ़ी है। ऐसे में डेटा साइंस युवाओं के लिए एक उभरता हुआ और हाई-पेइंग करियर ऑप्शन बनकर सामने आया है। इस क्षेत्र में डेटा एनालिस्ट, डेटा साइंटिस्ट और AI इंजीनियर जैसी नौकरियों की काफी मांग है। खासकर साइंस और टेक्नोलॉजी बैकग्राउंड वाले छात्रों के लिए यह क्षेत्र काफी फायदेमंद माना जा रहा है।

डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता क्रेज
ऑनलाइन बिजनेस के विस्तार के साथ डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की जरूरत भी बढ़ी है। कम समय में पूरा होने वाले इस कोर्स में सोशल मीडिया, SEO, कंटेंट मार्केटिंग और ऑनलाइन एडवरटाइजिंग जैसी स्किल्स सिखाई जाती हैं। यह कोर्स युवाओं को नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांसिंग और खुद का काम शुरू करने का भी मौका देता है।

प्रोफेशनल कोर्स का अलग महत्व
CA (चार्टर्ड अकाउंटेंट), CS (कंपनी सेक्रेटरी) और LLB (कानून) जैसे प्रोफेशनल कोर्स आज भी युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। ये कोर्स भले ही चुनौतीपूर्ण हों, लेकिन इनकी वैल्यू और सम्मान काफी अधिक है। कॉर्पोरेट सेक्टर, बैंकिंग और लीगल फील्ड में इनकी मांग लगातार बनी हुई है।

PG डिप्लोमा से जल्दी नौकरी का रास्ता
जो छात्र कम समय में नौकरी पाना चाहते हैं, उनके लिए PG डिप्लोमा कोर्स एक बेहतर विकल्प साबित हो रहे हैं। 6 महीने से 1 साल के इन कोर्स में इंडस्ट्री के अनुसार स्किल्स सिखाई जाती हैं। पत्रकारिता, कंप्यूटर एप्लीकेशन और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में PG डिप्लोमा काफी लोकप्रिय हैं।

स्ट्रीम के अनुसार करें चुनाव
विशेषज्ञों के अनुसार, अलग-अलग स्ट्रीम के छात्रों को अपने क्षेत्र के अनुसार कोर्स चुनना चाहिए।
आर्ट्स के छात्र MBA, डिजिटल मार्केटिंग या पत्रकारिता की ओर जा सकते हैं, वहीं साइंस के छात्रों के लिए डेटा साइंस और रिसर्च बेहतर विकल्प हैं। कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए CA, CS और फाइनेंस में MBA सबसे उपयुक्त माने जाते हैं।

स्किल्स पर बढ़ा जोर
आज के समय में केवल डिग्री नहीं, बल्कि स्किल्स भी बेहद जरूरी हो गई हैं। कम्युनिकेशन, कंप्यूटर नॉलेज और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स करियर ग्रोथ में अहम भूमिका निभा रही हैं। कंपनियां अब ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे रही हैं जिनके पास प्रैक्टिकल नॉलेज और अनुभव हो। ग्रेजुएशन के बाद सही कोर्स का चयन युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। बदलते समय के साथ युवाओं को भी अपने करियर को लेकर जागरूक और अपडेट रहना जरूरी है। सही मार्गदर्शन और सोच-समझकर लिया गया फैसला ही उन्हें सफलता की ओर ले जा सकता है।

नाक बंद और गले में खराश? इसे मामूली सर्दी समझने की भूल न करें, जानिए क्या है HMPV

मौसम बदलते ही कई तरह के वायरस सक्रिय हो जाते हैं, जिनमें एक ऐसा वायरस भी है जिसके बारे में कम लोग जानते हैं, लेकिन इसके लक्षण फ्लू या RSV जैसे ही होते हैं। इसी वजह से इसे पहचानना आसान नहीं होता। इस वायरस का नाम ह्यूमन मेटाप्न्यूमोवायरस (HMPV) है, जिसकी पहचान पहली बार साल 2001 में हुई थी। आइए जानते हैं यह कैसे फैलता है और कितना खतरनाक हो सकता है।

कैसे फैलता है यह वायरस?
रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वायरस भी अन्य सांस से जुड़ी बीमारियों की तरह ही फैलता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली बूंदों के जरिए यह दूसरों तक पहुंच जाता है। इसके अलावा संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, हाथ मिलाने या किसी दूषित सतह को छूने के बाद चेहरे को छूने से भी संक्रमण हो सकता है। इसलिए साफ-सफाई और सावधानी बेहद जरूरी है।

कब दिखता है इसका असर?
यह वायरस अक्सर फ्लू के बाद अपना असर दिखाता है। जहां फ्लू का पीक सर्दियों में होता है, वहीं HMPV के मामले मार्च के अंत से अप्रैल तक बढ़ते हैं। यानी जब लोग सोचते हैं कि फ्लू खत्म हो गया, उसी समय यह वायरस धीरे-धीरे फैलने लगता है। हाल ही में कैलिफोर्निया (अमेरिका) में इसके मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है, हालांकि यह दुनिया के कई हिस्सों में मौजूद है।

किसे ज्यादा खतरा?
यह वायरस किसी को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों, कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों, लंबे समय से स्टेरॉयड लेने वाले मरीजों, सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों और कैंसर मरीजों के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकता है। स्वस्थ लोगों में इसके लक्षण हल्के भी हो सकते हैं।

क्या हैं लक्षण?
इसके लक्षण आम सर्दी-जुकाम जैसे ही होते हैं—खांसी, बुखार, नाक बंद होना, छाती में जकड़न और गले में खराश। यही वजह है कि कई बार लोग इसे सामान्य फ्लू समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

क्या है इलाज?
फिलहाल इस वायरस के लिए कोई खास एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है। डॉक्टर सामान्य सर्दी-जुकाम की तरह ही इलाज की सलाह देते हैं—ज्यादा आराम करें, शरीर को हाइड्रेट रखें और जरूरत पड़ने पर ओवर-द-काउंटर दवाओं का इस्तेमाल करें।

सावधानी ही बचाव है
बार-बार हाथ धोना, भीड़भाड़ से बचना, मास्क पहनना और बीमार व्यक्ति से दूरी बनाना इस वायरस से बचाव के सबसे आसान और असरदार तरीके हैं।

मुख्यमंत्री ने की विकास परियोजनाओं की समीक्षा

बारां (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर राज उन्नति प्रोजेक्ट के तहत विकास परियोजनों में प्रगति की समीक्षा की। साथ ही इन कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय से मिनी सचिवालय स्थित डीओआईटी के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष से जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी बैठक से जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों को त्वरित व टाइम लाइन के अनुसार पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कस्टमर हायरिंग सेंटर, कृषि उपज भंडारण के लिए गोदाम निर्माण, एक जिला एक उत्पाद, ब्रह्मगुप्त योजना सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में एडीएम भंवरलाल जनागल भी उपस्थित थे।

खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान के बारां आगमन पर वक्फ कमेटी कार्यालय पर हुआ भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान का एक निजी कार्यक्रम में बारां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि जिला वक्फ कमेटी कार्यालय पर पहुंचने पर चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में माला ओर पगड़ी ओर शॉल पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान अमीन पठान ने बोलते हुए कहा कि बारां जिले में जिस तरह वक्फ की संपत्तियों का समय पर उम्मीद पार्टल पर रजिस्ट्रेशन किया गया उसके लिए जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है, जिन संपत्तियों में ऑब्जेक्शन आया उनके ऑब्जेक्शन दूर करके संपत्तियों को दुबारा चढ़ाया गया, कौम

ओर मिल्लत के इस काम को जिम्मेदारी के साथ अंजाम देने पर वक्फ कमेटी बारां की खुले मन से प्रशंसा करता हूं। साथ ही उन्होंने रोजा अफ्तार प्रोग्राम ओर वक्फ कमेटी के कार्यालय उद्घाटन की मुबारकबाद देकर सफल आयोजन की प्रशंसा की। इस दौरान वक्फ कमेटी कार्यालय पर चेयरमैन इरफान अंसारी, सेकेट्री रईस अहमद, नायब सेकेट्री अब्दुल हक हक्का भाई, जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, अनस पठान, पार्षद अहमद शरीफ, इरफान खान अशरफी, राहिद अंसारी, वसीम अंसारी, सलमान शादाब, सैफ सोहेल, अनस चिश्ती सहित कई लोग मौजूद रहे।

शादी में दूल्हा दुल्हन को दिया नायाब तोहफा

कोटा (रॉयल पत्रिका) हाल ही में कोटा शहर में हुई राईन समाज की शादी में मरहूम मोहम्मद यूसुफ राईन के परिवार वालो ने बेटी दामाद को उमराह का टिकट तोहफे में दिया। समाज के सचिव जोनी राईन ने बताया कि यह एक बेहद यादगार और अनोखा तोहफा हैं जो नए जोड़ो को उमराह की पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर देता हैं। ऐसे तोहफे प्यार और अच्छे स्वभाव का प्रतीक होते है जो सही रास्ते की और प्रेरित करते है। आज कल पारंपरिक तोहफे की जगह उमराह जैसे पैकेज काफी लोकप्रिय हो रहे है।

सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी झालावाड़ के द्वारा नि:शुल्क इस्तेमाई सम्मेलन आयोजित हुआ

-12 जोड़ों का निकाह किया

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह परिसर झालावाड़ में 29 मार्च 2026 को सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी हबीब नगर के नेतृत्व में निःशुल्क इस्तेमाई सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 12 जोड़ों का निकाह किया गया यह पूरी तरह से नि:शुल्क था झालावाड़ जिला और शहर के लिए सम्मेलन के सदर हाजी अब्दुल हुसैन केजीएन बोरवेल ने बताया कि पिछले 3 महीने से इस नि:शुल्क सम्मेलन की तैयारी की जा रही थी इस सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए झालावाड़ शहर काजी अब्दुल रहमान के साहबजादे मन्नान और झालरापाटन के काजी असगर अली गागरोन शरीफ के काजी फारूक अली, और मौलाना मोईन अशरफ, मौलाना इनायत उल्ला, हाफिज गुड्डू कादरी, सलाउद्दीन रहे। इस सम्मेलन की अध्यक्षता एसडीएम अभिषेक चारण साहब और मुख्य अतिथि खानपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश गुर्जर ने की इस अवसर पर झालावाड़ शहर के सभी हजरात उपस्थित रहे। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ओम पाठक यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आमिर खान, पूर्व नगर अध्यक्ष नफीस शेख, पूर्व पार्षद

इनाम जफर ने इस अवसर पर अपने सम्बोदन मे कहाँ कि बच्चो को अच्छी तालीम दिलवाई जावे, मोबइल से बच्चो को दूर रखने पर भी जोर दिया, मुकीम अब्बासी, पार्षद अकबर अनजान,हाजी मुमताज भाई,मुश्ताक अली, अख्तर अली हाजी निजाम चौधरी, पूर्व पार्षद फारूक अहमद ईदगाह सदर शराफत अली अब्बू, हाजी अजीज बेग, हाजी हफीज चौधरी, जुगनू चौधरी, शरीफ भैया, हमदर्द सोसायटी, मुकीम टाटा सैयद राशिद अली सभी ने दूल्हा दुल्हन को नेक दुआओं से नवाजा और आशीर्वाद दिया इस अवसर पर संचालन फारूक अहमद ने किया। इस मौके पर सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी के सभी मेम्बरान हजरात मौजूद रहे।

अन्ता उप जिला चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं को लेकर भाया ने उठाई आवाज, त्वरित सुधार की मांग

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । उप जिला चिकित्सालय, अन्ता में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक प्रमोद जैन भाया ने जिला कलक्टर, बारां को पत्र लिखकर तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक कार्यवाही की मांग की है। विधायक भाया ने बताया कि वर्तमान में चिकित्सालय की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो चुकी है, जिसके कारण हजारों क्षेत्रवासियों को मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के लगभग 15-17 चिकित्सकीय एवं सहायक स्टाफ को अन्यत्र प्रतिनियुक्ति पर लगाया हुआ है, जिससे यहां मानव संसाधनों का गंभीर अभाव उत्पन्न हो गया है। विशेष रूप से 14 नर्सिंग स्टाफ कोटा एवं बारां में कार्यरत हैं, वहीं एक चिकित्सक को भी अन्यत्र लगाया हुआ है। भाया ने प्रमुख समस्याओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि अस्पताल में सोनोग्राफी जांच नियमित रूप

से नहीं हो रही है, एक्स-रे मशीन फिल्म के अभाव में बंद पड़ी है तथा मरीजों को समय पर जांच नहीं मिल पाने के कारण इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त अधिकांश चिकित्सकों का मुख्यालय पर निवास नहीं होने के कारण वे कोटा से अपडाउन करते हैं, जिससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। विधायक ने यह भी बताया कि लेबर रूम में प्रत्येक डिलीवरी पर ₹1000 से ₹1200 तक की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं, जो अत्यंत निंदनीय है। साथ ही, चिकित्सा प्रभारी द्वारा प्रभावी मॉनिटरिंग का अभाव भी स्थिति को और अधिक खराब बना रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रतिनियुक्ति पर गए समस्त स्टाफ को तत्काल वापस अन्ता चिकित्सालय में पदस्थापित किया जाए। चिकित्सकों एवं स्टाफ की मुख्यालय पर समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की जाए। सोनोग्राफी एवं एक्स-रे सेवाएं तुरंत पुनः प्रारंभ की जाएं। अवैध वसूली के मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। चिकित्सालय में प्रभावी मॉनिटरिंग एवं प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। विधायक भाया ने कहा कि यदि शीघ्र ही सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्रवासियों में असंतोष बढ़ेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीरता से संज्ञान लेकर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करेगा, जिससे क्षेत्र की जनता को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

वार्ड 27 में 23 लाख रुपए के इंटरलॉकिंग कार्य का भूमि पूजन

-विधायक बैरवा बोले—विकास में नहीं आने देंगे कोई कमी

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां-अटरु विधायक राधेश्याम बैरवा ने शहर के वार्ड नंबर 27 में लगभग 23 लाख रुपये की लागत से होने वाले इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा शहर अध्यक्ष ओ.पी. पारेता, भाजपा नेता ओम सुमन, कैलाश शर्मा, ओम सारस्वत, भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा, वार्ड पार्षद धर्मेंद्र भार्गव, योगेश गौतम, शिवराज महावर सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 27 में ओम नागर के मकान से बबलू के मकान तक तथा सतेंद्र शर्मा और चेतन शर्मा की गली में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है, जिसकी कुल लागत 23 लाख रुपये है। इन कार्यों का भूमि पूजन विधायक राधेश्याम बैरवा द्वारा किया गया। भूमि पूजन के दौरान वार्डवासियों ने विधायक बैरवा का भव्य स्वागत एवं सम्मान कर आभार व्यक्त किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक बैरवा ने कहा कि बारां-अटरु विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और सांसद दुष्यंत सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकार जहां पांच वर्षों में भी अपेक्षित कार्य नहीं कर पाई, वहीं वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में उससे अधिक विकास कार्य कर दिखाए हैं। नगर परिषद क्षेत्र में भाजपा सरकार बनने के बाद लगातार विकास कार्यों को गति मिली है। कार्यक्रम के दौरान पूरणमल नागर, भारत नामा सहित बड़ी संख्या में माताएं, बहनें एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

अदालत ने दिया अत्याचारी बहु को बेदखल करने का आदेश

कोटा (रॉयल पत्रिका) । कोटा के उपखंड मजिस्ट्रेट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में, एक बूढ़ी सास के पक्ष में आदेश दिया है, जिसमें उनकी बहू को 15 दिन के भीतर ससुराल से बेदखल करने का निर्देश दिया गया है। यह मामला तब सामने आया जब बहू ने अपने पति की मौत के बाद सास के स्वामित्व वाले मकान पर कब्जा करने और सास ससुर को निकालने का प्रयास किया था। सास राजेश कुमारी ने वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण अधिनियम के तहत उपखण्ड मजिस्ट्रेट की अदालत में परिवाद दायर किया था, जिसमें उन्होंने अपनी बहू राजकंवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने बताया कि 24 अप्रेल 2025 को राजेश कुमारी के जवान बेटे की मृत्यु हो गई थी। मृत्यु के कुछ समय बाद ही मकान पर कब्ज़ा करने की नियत से उनकी बहु राजकंवर ने षड्यंत्र रचना शुरू कर दिया था। बहु आए दिन अपने सास और ससुर से झगड़ा करती, उनको खाना नहीं देती। ससुर को बलात्कार के झूठे केस में फंसवाने की धमकी देती। अक्टूबर 2025 में बहु ने मारपीट करके सास ससुर को घर से निकाल दिया था। पीड़ित सास ससुर अपनी बेटी के यहां रहने पर मजबूर हुए। इसके बाद बहु के अत्याचारों से तंग आकर उन्होंने अदालत की शरण ली।

मुकदमें अधिवक्ता अंसार इंदौरी ने सास का प्रतिनिधित्व किया और अदालत में उनके अधिकारों की रक्षा की। उपखण्ड मजिस्ट्रेट ने अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए, बहू को ससुराल से बेदखल करने का आदेश दिया है। अपने आदेश में अदालत ने कहा है कि बहु राजकंवर 15 दिन में अपनी सास राजेश कुमारी के स्वामित्व वाले मकान को खाली कर देवें।

तहसीलदार लाडपुरा और पुलिस करवाएगी आदेश की पालना:

अदालत ने अपने फैसले में लिखा है कि आदेश की पालना नहीं करने की स्थिति में तहसीलदार लाडपुरा को आदेश की पालना के कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया जाता है तथा दौराने बेदखली थानाधिकारी अन्नतपुरा कोटा को आदेशित किया जाता है कि मय जाब्ता मौके पर उपस्थित रहें।

मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान द्वारा 30वां होली मिलन समारोह एवं ईद मिलन जलसा आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में 30वां होली स्नेह मिलन समारोह एवं ईद मिलन जलसे का आयोजन रविवार 22 मार्च को शहर के निजी रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया। प्रोग्राम कन्वीनर कन्हैया लाल चित्तौडा व शैलेन्द्र गोयल ने बताया कि समारोह के अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, जे.एल.एन.कालेज के निदेशक डॉ आजम बेग, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश शर्मा, महिला पुलिस थानाधिकारी आशा रानी बारहठ, राकमा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ मोहम्मद अशफाक खान एन टी पी सी, पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, प्रशासनिक अधिकारी रविन्द्र सिंह ठेनुआ, बेटी बचाओ बेटी पढाओ की ब्रांड एंबेसडर डाक्टर सुधीरा शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश सचिव अफसरा अंसारी, पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, जिला वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, जिला हज कमेटी के संयोजक हाजी लियाकत अली मेव, अग्रवाल महिला मण्डल की अध्यक्ष नीतू गुप्ता मंच आसीन रही। सभी अतिथियों का संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर अली, नवीन गर्ग विनायक, रामगोपाल मालव, डॉक्टर अब्दुल रशीद शाह, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर, फरीदा शेख, फरहत नाज रानू, राज कुमार खींची ने शाल ओढा कर स्मृति चिन्ह भेंट कर फूल मालाओं से स्वागत किया सभी अतिथि यो ने कहा कि ऐसे आयोजन से हिंदू मुस्लिम समुदाय मे कौमी एकता भाईचारे की भावना मजबूत होती हैं मौलाना आजाद परिवार होली ओर ईद मिलन समारोह एक साथ मनाकर सब धर्म मजहब के लोगों को एक मंच एक जाजम पर बैठा कर एकता का

संदेश देकर साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल को कायम करने में लगे हैं जो एक सराहनीय कदम है समारोह में आर टी ओ से प्रमोद पांडे, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष ब्रजेश वर्मा, शायर रईस फैजी, पंजाबी समाज की प्रदेश पदाधिकारी सोनिया अदलक्खा, आई सेक्ट कम्प्यूटर के निदेशक साबिर खान, स्वामी विवेकानंद कालेज में निदेशक अभिषेक सिंह सोढी, हेमलता सोन, भगवती टेहल्यानी, विष्णु सुमन, अमृता खंडेलवाल,अखतर बखतावर, अंशुल व्यास, आचार्य सुगना नागर, आनंद बंसल, इकबाल नेत, ललित वैष्णव, मोहम्मद हनीफ, अन्जू पंकज, सेवा दल की पूर्व जिलाध्यक्ष संध्या जडेजा, यासमीन खान मेव, राकमा जिलाध्यक्ष रईस खान, आई.बी.भुवन गोयल, कवि मेवा राम, अनीता सेठी, समाज सेविका, प्रधुम्न गोतम अध्यापक, एम असलम मंसूरी, राकेश सेठी, अशफाक मयूर, सोयेब अख्तर, मोहम्मद सलीम फ्रूट वाले, राजेश पंकज, अल्फैज पठान, तौफीक अहमद, मोहम्मद हासिम, मोहम्मद आईद, मोहम्मद हारिस व सैकड़ों लोग मोजूद रहे। संचालन नवीन गर्ग विनायक ने किया। हाजी लियाकत अली मेव ने सबका धन्यवाद पारित किया।

कोटा में 9 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ

कोटा (रॉयल पत्रिका) । अन्नतपुरा केसर विहार में स्थित मदरसा जामिया हुस्न ए तारा परिसर में रविवार को 9 जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ। दारुल कजा एदारा ए शरिया में मुफ्ती शमीम अशरफ ने निकाह का खुत्बा पढ़ा, खुत्बा में मुफ्ती शमीम अशरफ ने सभी नवविवाहित जोड़ों को ताकीद करते हुए बुराइयों से बचने, फिजूल खर्ची रोक कर समाज को शिक्षित करने पर जोर दिया, इस अवसर पर यूसुफ़ आज़ाद, अल्फजर अब्बासी, अज़ीज़ चौधरी, हुसैन अंसारी, पप्पू पठान, अब्दूल वहीद आदि ने सहयोग किया। मुफ्ती शाहबाज मिस्बाही, मौलाना मुतिउर्रहमान, कारी समदानी, मोहम्मद जियाउद्दीन अख्तर ने निकाह कराने में नायब काज़ी के रूप मे साथ रहे। सम्मेलन में कोटा, कापरेन, मोड़क, छबड़ा, लाखेरी, सुल्तानपुर, आदि के जोड़े शामिल हुए, सभी जोड़ो को घर गृहस्थी के समान के साथ नबी की सुन्नत के मुताबिक कुरान पाक, मिट्टी के बर्तन दिए गए, दुल्हा दुल्हन को खुशी खुशी विदा किया गया।

भवानीमंडी स्टार हॉस्पिटल में इलाज के नाम पर लापरवाही व लूटपाट के आरोप

-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कमेटी गठित की

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के भवानीमंडी के समीप मालीपुरा निवासी रुकसाना बी ने गत दिनों अपनी पुत्री नौशीन बी पत्नी तौकीर के प्रसव के दौरान कथित लापरवाही के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कलेक्टर को गंभीर शिकायत की थी इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मामले में एक्शन लेते हुए तत्काल ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को लेकर एक कमेटी गठित की है जो आगामी दिनों में हॉस्पिटल से मिलने वाली शिकायतों की गंभीरता से जांच करेगी परिजनों ने जिला संवाददाता फिरोज खान वारसी को बताया कि 17 मार्च 2026 की शाम लगभग 7 बजे नौशीन बी को भवानी मंडी के स्टार हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस मौके पर प्रसव के दौरान गायनिक विशेषज्ञ डॉ. आरती पाटीदार ने स्वयं मरीज की देखरेख नहीं की और उसकी जगह गैर-विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ. रंजना पटवारे ने मरीज की निगरानी की। उन्होंने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने का

आरोप लगाया उन्होंने बताया कि अस्पताल में रातभर मॉनिटरिंग और विशेषज्ञ देखरेख न होने के कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो गई। अस्पताल प्रशासन ने अगले दिन अचानक ऑपरेशन का दबाव बनाया गया। स्थिति बिगड़ने पर मरीज को आशुतोष हॉस्पिटल ले जाना पड़ा, जहां केवल एक घंटे में सुरक्षित डिलीवरी करवाई गई। प्रसूता ने बालिका को जन्म दिया जिन्हें ऐहतियात के तौर नवजीवन हॉस्पिटल भर्ती कराया गया है। वहीं परिजनों ने बताया कि उन्होंने इस मामले में महिला आयोग और राज्य स्वास्थ्य मंत्री के पास भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। इधर स्टार हॉस्पिटल के संचालक डॉ. शैलेंद्र पाटीदार ने कहा कि प्रसूता के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई। उनका कहना है कि पूरा उपचार डॉ. आरती पाटीदार की देखरेख में किया गया। रुकसाना बी ने अधिकारियों से उच्चस्तरीय जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और अस्पताल के नियमानुसार सख्त कदम उठाने की मांग की है। इधर पूरे मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.साजिद खान ने बताया कि भवानीमंडी के स्टार हॉस्पिटल द्वारा प्रसूता के इलाज में लापरवाही की शिकायत मिली थी जिसके बाद ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को लेकर एक टीम गठित की गई है, जो कि आगामी दिनों में पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजेगी।

टीबी मुक्त भारत अभियान में पाली जिले का बढ़ा मान, राज्य स्तर पर डॉ. उजमा जबीन ने प्राप्त किया सम्मान

-विश्व क्षय रोग दिवस पर राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह एवं कार्यशाला आयोजित

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के अंतर्गत विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर में राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस समारोह में टीबी कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने पर पाली जिले को सम्मानित किया गया। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला एवं राज्य स्तर के अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में पाली जिले को टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट कार्य के फलस्वरूप यह पुरस्कार मिला। डॉ. मारवाल ने बताया कि कार्यक्रम में टीपीटी में 2 रैंक, डिफ्रेंसिव टीबी केअर में 2 रैंक, निक्षय पोषण योजना में 4 रैंक व एक्सरे जांच करने में 4 रैंक मिली है। कुल 5 तरह की कैटेगरी में 4 सम्मान पाली जिले को मिले है। ये सम्मान पली जिले व चिकित्सा विभाग के लिए गर्व की बात है। जयपुर में यह पुरस्कार पाली जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.उजमा जबीन ने प्राप्त किया। सीएमएचओ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्षय रोग उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान राज्य के जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला प्रजनन

एवं बाल स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए क्षय रोग उन्मूलन के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। साथ ही बाल क्षय रोग परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों में क्षय रोग की पहचान, उपचार एवं प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में एसटीडीसी अजमेर एवं आईआरएल के अधिकारी, भारत सरकार एवं डब्ल्यूएचओ के परामर्शदाता, एसएनओ, आरबीएसके के पीडी, एसएनओ, आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा एनटीईपी से जुड़े विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में क्षय रोग उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। साथ ही सभी जिलों को लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी रणनीतियों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए क्षय रोग मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने का संकल्प दोहराया गया।

इंसानियत एकता सेवा समिति की ईद स्नेह मिलन बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित नए बस स्टेण्ड इंदौरी चाय वाला पर देर शाम को इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा ईद मिलन स्नेह बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने की। मुख्य अतिथि मेजर सैयद परवेज शाह थे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी। बैठक में अप्रैल महीने के दूसरे सप्ताह से परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान चलाने, शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने, खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित करने सहित अन्य कई सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, अध्यापक इमरान बी खान, अध्यापक आवेश कुरैशी ने अपने विचार व्यक्त किए। समिति अध्यक्ष अकबर खान की तरफ

से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस दौरान समिति संयोजक नौशाद खान, निदेशक सदस्य बिलाल खान, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, डॉ. अखतर खान, अध्यापक अजीज खान, गुलाम हुसैन गौरी, यूनुस अली भाटी, महबूब खान, जाकिर खान, अबरार खान, रेहान खान, जाहिद खान, इंजमाम खान, मुस्तफा खान, सोयल खान, समीर खान, तंजील खिलजी आदि मौजूद रहे। व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने सभी का आभार जताया।

दिव्यांग जन ने अपनी समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को अवगत करवाया

-जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने चैंबर से बाहर आकर सुना दिव्यांग जन को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में दिव्यांग जनों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन अख्तर खान ने बताया कि पिछले 8 महिनों से दिव्यांग जनों का पालनहार कि राशि बकाया पड़ी है पेंशन 3 महिने से नहीं मिल रही है दिव्यांग जनों के पास रोजगार नहीं है उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाए क्रॉक्लीयर इम्प्लान्ट के बच्चों को बाल सम्बल योजना में शामिल किया जाए ज्ञापन देने

वालों में सफिक कुरैशी मिडिया प्रभारी, जहिर अब्बास, सद्दाम हुसैन, कालू मोहम्मद, प्रमोद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चूरू रेल्वे स्टेशन पर स्व. तोलाराम जी कोठारी भामाशाह नेम पट्टिका नहीं हटाने बाबत प्रशासन को दिया ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रेल्वे स्टेशन मुसाफिरखाना स्व. सेठ तोलराम जी कोठारी की चिरस्मृति में उनके लडकों ने बनवाकर रेल्वे को भेट किया। चूरू स्टेशन पर उक्त निर्माण के पश्चात सेठ के नाम की पट्टिका लगी हुई थी जो आज तक मौजूद हैं। वर्तमान में उक्त भवन का नवीनीकरण अमृत योजना में हो रहा है तो हम चूरू वासी की माग है कि उक्त भवन पर सेठ तोलाराम जी कोठारी के नाम की पट्टिका यथावत रखा जावे ताकि भामाशाहों में किसी प्रकार की निराशा भाव उत्पन न हो और भविष्य में भामाशाह उत्कृष्ट कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहे और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे। आशा है कि आप चूरूवासियों की भावनाओं हेतु प्रयास करेगें। यह ज्ञापन भाजपा के पूर्व वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष बाबू ईस्माईल पूर्व पार्षद एवं जमरदिन तेली तारानगर, (सचिव) ने भारतीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भारत सरकार के नाम से पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के माध्यम से एवं मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, जयपुर, जिला कलक्टर चूरू, हरलाल सारण विधायक चूरु, के माध्यम से भारतीय रेल मंत्री के नाम दिया।

कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन कमेटी के चुनाव 3 अप्रैल को

-मोहम्मद रफीक बने इलेक्शन कमेटी चैयरमैन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति जोधपुर के शादी सम्मेलन कमेटी चुनाव की हाल ही में मीटिंग रखी गई थी। मीटिंग में 45 मेम्बरो ने इलेक्शन कमेटी के लिए अपना नाम लिखवाया और फिर इन 45 सदस्यों के नाम की पर्ची की लॉटरी हुई। जिसमें 11 सदस्यों के नाम खुले और वे 11 लोग इलेक्शन कमेटी मेम्बर चुने गए। इन्हीं 11 मेम्बरों ने अपनी सहमति से मोहम्मद रफीक को कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन इलेक्शन कमेटी का चेयरमैन चुना। इलेक्शन कमेटी मेम्बर मोहम्मद साहिल ने बताया कि मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन के सदर, सेक्रेटरी व खजांची पद के लिए चुनाव 3 अप्रैल को होंगे।

इलेक्शन कमेटी के चुने गये मेम्बर मोहम्मद हरिश, मोहम्मद नासिर, मोहम्मद साहिल, अब्दुल वजीर, मोहम्मद सऊद, मोहम्मद मुजाहिद, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद मुस्तकिम, मोहम्मद आसिफ व मोहम्मद साबिर रहे। 27 मार्च से 29 मार्च तक पाचवीं रोड ईदगाह के बाहर रात 9:30 से 11:30 बजे तक चुनाव के फार्म मिलेंगे। नाम वापस लेने की तारीख 30 मार्च रहेगी। आगामी शुक्रवार 3 अप्रैल दोपहर 3 से शाम 6:30 बजे तक मदरसा फैज मोहम्मदी बारादरी में चुनाव होंगे और उसी दिन देर रात को चुनाव कमेटी चुनाव का परिणाम घोषित करेंगी।

पीर की जाल में ईद-उल-फितर की नमाज़ अदा कर दिया भाईचारे का संदेश

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के आस्ताने पर ईदगाह में नमाज अदा कर हिंदुस्तान में अमन शांति बनी रहे मांगी दुआ। पीर की जाल एक ऐसा स्थान कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर अब्बनशाह के ईदगाह में सुबह 7 बजे से नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में नमाज़ी ईदगाह पहुंचे। मौलाना साहब ने नमाज अदा करवा कर अमन-शांति बनी रहे ओर आपसी सद्भाव का संदेश दिया। रमजान का महीना पूरा होने पर ईद उल फितर का त्यौहार एकता और इंसानियत का प्यार सिखाता है। देश ओर प्रदेश के लिए आपसी भाई चारा बना रहे ओर आपसी देशों में भी शांति का वातावरण बना रहे दुआ की गई। इस दौरान पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी।

डिस्ट्रीक्ट हाईवे सेफ्टी टॉस्क फोर्स का किया गठन

पाली । राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया। जिला मजिस्ट्रेट एलएन मंत्री ने आदेश जारी कर डिस्ट्रीक्ट हाईवे सेफ्टी टॉस्क फोर्स गठन कर समय समय पर पारित निर्णयों एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनाधिकृत कब्जों की पहचान, रिपोर्टिंग, हटाने एवं हटाने की लागत की वसूली तथा यातायात के विनियमन के लिए जान मानक संचालन प्रक्रिया में प्रदत्त प्रावधानों का अनुसार कार्रवाही के निर्देश दिए। टॉस्क फोर्स में अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग को अध्यक्ष, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाली, परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कार्यान्वयन इकाई जोधपुर, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी, आयुक्त नगर निगम, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिकों को सदस्य बनाया गया तथा अशिषाशी अभियंता रानिवि रा.रा. को सदस्य सचिव मनोनित किया गया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज "परिसर- में वन्दे मातरम्" संगोष्ठी का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP), चूरू द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, चूरू "परिसर- में वन्दे मातरम्" अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में देशभक्ति, जागरूकता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण देखने को मिला। संगोष्ठी का उद्देश्य युवा पीढ़ी को वन्दे मातरम् के महत्व, उसके इतिहास तथा राष्ट्रनिर्माण में उसकी भूमिका से अवगत कराना रहा, ताकि वे अपने देश और उसकी विरासत के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकें। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम. एम. पुकार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "वन्दे मातरम्" केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा तरुणाई को देश के क्रांतिकारियों और महापुरुषों के योगदान के साथ-साथ इतिहास की सही जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अतीत को समझकर उससे प्रेरणा लेने और अपने वर्तमान को सशक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही वक्ताओं ने वन्दे मातरम् के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों के लिए प्रेरणा का प्रमुख स्रोत बना और आजादी की लड़ाई में एक सशक्त स्वर के रूप में उभरा।इस अवसर पर डॉ. रेणु बम्बल ने कहा कि महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा शक्ति को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अभिनव सिंह ने बताया कि विद्यार्थी परिषद वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर के परिसरों में जाकर इसके महत्व को विद्यार्थियों तक पहुँचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद की निरंतर सक्रियता और छात्रों से जुड़ाव के कारण यह संगठन आज विद्यार्थियों की पहली पसंद बनता जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में एबीवीपी चूरू के जिला संयोजक एवं राज्य विश्वविद्यालय कार्य प्रदेश संयोजक कुलदीप सिंह जागावत ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला कार्यालय मंत्री सुरेश शर्मा, नगर मंत्री लोकेश ज्यानी, नगर सह मंत्री गर्व रक्षक, नगर SFS प्रमुख वीरेन्द्र पचार आदि उपस्थित रहे।

फिट फ्लेक्स स्पोर्ट्स रिहैब सेंटर एंड फिजियोथैरेपी हब का शुभारंभ फीता काट कर राजेंद्र सिंह राठौड़ ने किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पंखा रोड स्थित आर्यन हॉस्पिटल के पास फिट फ्लेक्स स्पोर्ट्स रिहैब सेंटर एंड फिजियोथैरेपी हब का शुभारंभ फीता काटकर पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथिय में किया गया। वशिष्ठ अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर खान के सानिध्य में हुआ एवं गणमान्यजनों ने फूल मालाओं से अतिथियों का स्वागत किया। रमजान खान जोईया, रंजना कोठारी, मुबारीक खान, गुलाम नबी खा चायल आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, अख्तर खान ने संबोधन किया और स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में फिजियोथैरेपी सेंटर के संस्थापक -संचालक डॉक्टर शोएब खान (PT) को शुभकामनाएं दीं और केंद्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉक्टर शोएब खान ने कहा हमारे यहां सेंटर पर शारीरिक दर्द से राहत मिलेगी, पीठ, गर्दन, जोड़ो और मांसपेशियों के पुराने दर्द को कम करने के बचाव तेजी से रिकवरी क्रॉनिक स्थितियों में गठिया आदि खेल चोटों के उपचार, फिजियोथेरेपी एवं आधुनिक रिहैब सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आए हुए सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

पीर की जाल मेले में उमड़े जायरीन, जियारत कर मांगी दुआएं

-कव्वालों ने देर रात्रि तक बांधे रखा समा, बच्चों ने झूलो का लिया आनंद

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह पीर की जाल के सालाना उर्स मुबारक में सैकड़ो की तादाद में जायरीन दूर - दूर से दरगाह की जियारत करने आ रहे है। दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के चाहने वालों की भीड़ हर दिन बढ़ रही है। दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी द्वारा दरगाह शरीफ को दुल्हन की तरह सजाया गया है, दरगाह के चारों ओर रंग बिरंगी रोशनी से डेकोरेशन कर संवारा गया। दरगाह शरीफ के सालाना उर्स मुबारक में दरगाह

इंतजामिया वक्फ कमेटी की ओर से दोनों टाइम लंगर मुफ्त खाने की व्यवस्था की गई है उर्स मुबारक में हर रोज रात्रि में ईशा नमाज बाद उलमाए किराम के नूरानी बयानात का प्रोग्राम होता है बाद में गुजरात व राजस्थान के मशहूर मारूफ कव्वाल द्वारा कव्वाली का प्रोग्राम होता है। सालाना उर्स मुबारक में बच्चों के लिए आकर्षित झूला,मौत का कुआं,ब्रेक डांसर,मिकी माउस,डबल इंजन रेल,सर्कस,जादूगर,खिलौना,मनिहारी, मिठाइयां सहित कई प्रकार की दुकान लगी है उर्स मुबारक में हजारों की संख्या में पहुंच रहे जायरिनों से दरगाह इंतजामियां कमेटी की ओर से यह अपील की जा रही है शांति बनाए रखें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। मेले में हर धर्म के लोग दरगाह की जियारत के लिए आ रहे हैं दरगाह अस्थाने पर किसी तरीके का कोई भेदभाव नहीं है दरगाह पीर की जाल कौमी एकता की प्रतीक एकमात्र स्थान दरगाह पीर की जाल 10 रोज चलने वाला उर्स सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु जायरीन मेले में मन्नत लेकर पहुंच रहे हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

डबल इंजन की सरकार गहलोत सरकार की धूल के बराबर भी नहीं: रघु शर्मा

-पीसीसी में पूर्व चिकित्सा मंत्री ने राज्य सरकार को घेरा,आरजीएचएस, मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर कड़े प्रहार किए। डॉ. शर्मा ने कहा कि जिस 'डबल इंजन' की सरकार का हवा बनाया जा रहा था, वह अशोक गहलोत की 'सिंगल इंजन' सरकार के विकास कार्यों की धूल के बराबर भी नहीं है।

आईपीजी टावर का काम जस का तस

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार के समय एसएमएस अस्पताल में शुरू किया गया 24 मंजिला 'आईपीडी टावर' प्रोजेक्ट अब ठंडे बस्ते में है। उन्होंने कहा, "हमने 1200 बेड की सुविधा वाला यह प्रोजेक्ट एक समय सीमा में शुरू किया था, लेकिन आज सरकार इसकी प्रगति को लेकर गुमराह कर रही है। कोई प्रोजेक्ट रबड़ नहीं है जिसे आप खींचते जाएं, उसकी समय सीमा तय होनी चाहिए।

मेडिकल कॉलेजों की अनदेखी का आरोप

डॉ. शर्मा ने पिछली सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में एक साथ 17 मेडिकल कॉलेज खोले गए थे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य हर जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलना था, लेकिन वर्तमान सरकार ने नए जिलों में स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों की फाइलों को या तो नजरअंदाज कर दिया है या निरस्त कर दिया है। जालौर और राजसमंद जैसे जिलों में मेडिकल कॉलेज की प्रगति न होने पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

आरजीएचएस और चिरंजीवी योजना पर संकट

डॉ. शर्मा ने सरकार को घेरते हुए पूछा कि क्या आरजीएचएस (RGHS) के तहत दवाओं की

सप्लाई बंद होने की कगार पर है? उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट एलोकेशन में भारी कमी की है, जिससे बिलों का भुगतान पेंडिंग है। साथ ही, उन्होंने निशुल्क इलाज की सीमा पर भी स्पष्टता मांगी। उन्होंने कहा, "हमने 25 लाख का कैशलेस इलाज दिया था, आज सरकार यह बताने की स्थिति में नहीं है कि वह जनता को कितना बीमा कवर दे रही है।"

मरीजों को किया जा रहा है परेशान

एसएमएस अस्पताल का अपना अनुभव साझा करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि पारदर्शिता और फ्रॉड रोकने के नाम पर गंभीर मरीजों को परेशान किया जा रहा है। एमआरआई जैसी जांचों के लिए मरीजों को स्ट्रेचर पर एक कोने से दूसरे कोने (धन्वंतरि) फोटो खिंचवाने के लिए ले जाना पड़ता है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लाचारी भरा है।

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंकों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है, उमराह क्यों करना चाहिए, उमराह पैकेज बुक कराते वक़्त टिकट, वीज़ा, होटल, ट्रांसपोर्ट, लॉन्ड्री, खाना, ज़ियारत और गाइड के ताल्लुक़ से क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

आइये आज हम बात करते हैं, उमराह पैकेज बुक करने वाले के बारे में। आजकल बहुत ज़्यादा देखने में आ रहा है कि लोग उमराह करने के लिए जाते हैं और एक उमराह करके वापस आने के बाद अपने आपको उमराह का एक्सपर्ट ट्यूर ऑपरेटर मानकर उमराह की बुकिंग करना शुरू कर देते हैं। हर मोहल्ले में आजकल 5-7 उमराह ट्यूर ऑपरेटर हो गए हैं।आपके आस-पास हर साल 10-15 नए उमराह ऑफिस खुल जाते हैं और तजुर्बा नहीं होने की वजह से जल्दी ही बंद भी हो जाते हैं।

कुछ ट्यूर ऑपरेटर सस्ते का लालच देकर पासपोर्ट और पैसा ले लेते हैं और जब उतनी रकम में नहीं ले जा पाते तो हाथ जोड़ कर पैर पकड़ कर माफ़ी माँग लेते हैं, पासपोर्ट और पैसा वापस कर देते हैं। इस बीच उमराह पर जाने वाले लोग सारे रिश्तेदारों को खबर कर देते हैं कि उमराह पर जा रहे हैं। अब अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए जाने वाले लोग उन ट्यूर ऑपरेटर को ढूढते हैं जिनका काम पक्का है।

ये कुछ-कुछ वैसा ही है कि 15-20 दिन कोई कार चलाना सीखे और अपने आपको एक्सपर्ट ड्राइवर मानकर लम्बी दूरी पर कार को चलाने ले जायें। आप सोच सकते हो कि कार के साथ, ड्राइवर के साथ और उस में बैठने वाली सवारी के साथ क्या-क्या हो सकता है, जबकि एक्सपर्ट कार ड्राइवर वो है जो कार में छोटी-मोटी खराबी आने पर उसको ठीक करके वापस घर ला सके।

जिसको उमराह पैकेज बुक करवा रहे हैं उसके बारे में पता करें कि कितने साल से उमराह का काम कर रहे हैं, उनकी मार्केट में क्या रेपुटेशन है। वेध लाइसेंस है या नहीं। एयर टिकट के लिए अधिकृत हैं कि नहीं यानि IATA लाइसेंस हैं कि नहीं। जितने रुपए में उमराह पैकेज बुक कर रहे हैं उसमे वो सबकुछ मिल सकता है कि नहीं जिसके बारे में आपको पिछले अंकों में जानकारी दी गई थी।

कई बार उमराह पैकेज बुक करने वाले लोग पासपोर्ट और पैसा आगे किसी और को दे देते हैं। उमराह पैकेज बुक करने और रवानगी के बीच के दिनों में कभी रियाल का रेट बढ़ जाता है, कभी होटल महंगा हो जाता है, कभी वीज़ा का रेट बढ़ जाता है, कभी टिकट महंगा हो जाता है। बुकिंग के वक़्त तय हुई रेट से ज़्यादा हाजी देते नहीं। जब उतनी सस्ती रेट में उमराह नहीं हो पाता तो आगे के किसी दूसरे ट्यूर ऑपरेटर से पासपोर्ट और पैसा वापस मिलता नहीं। नुकसान भुगतने की हैसियत होती नहीं, इसलिए कई बार ट्यूर ऑपरेटर को फरार होना पड़ता है। इसलिए ट्यूर ऑपरेटर की नुकसान भुगतने की हैसियत भी ज़रूर देख लें। कहीं ऐसा न हो सस्ता टूर महंगा पड़ जाये। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशाअल्लाह, तब तक के लिए खुदा हाफिज !

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

पहलगाम हमले पर चुप्पी, अब ईरान के लिए चंदा?', कश्मीरियों का टी. राजा ने किया विरोध

जयपुर। अमेरिका-इजरायल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोल दिया था। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई सहित उनके परिवार के कई सदस्य और कई भरोसेमंद मंत्रियों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद ईरान ने भी मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी है। देखते ही देखते पूरे मिडिल ईस्ट में इस युद्ध से घमासान मच गया। इस बीच भारत के जम्मू-कश्मीर से करोड़ों रुपए चंदा से इकट्ठा कर ईरानी दूतावास को मदद के लिए भेजे गए। अब हैदराबाद के गोशमहल से विधायक टी. राजा ने पहलगाम में धर्म पूछकर पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकियों को लेकर कश्मीरी लोगों पर तंज कसा है

। टी. राजा ने कश्मीर से ईरान की मदद के लिए दूतावास को भेजे जाने वाले चंदे पर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि आखिर आप लोग तब कहां थे जब पहलगाम में हमारे पर्यटकों का धर्म देखकर आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी थी। उनके लिए आप लोगों ने कितना चंदा दे दिया था? टी. राजा ने कश्मीर से ईरान के लिए चंदा देने वालों पर सवाल खड़ा करते हुए पूछा कि जब पुलवामा में जवानों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी तब आप उनके परिजनों की मदद के लिए नहीं निकले थे, जबकि वो अपने ही देश के जवान और नागरिक थे। वहीं अब जब एक दूसरे देश में किसी तीसरे देश ने हमला बोला और वहां के सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी तो भारत में लोग क्यों छातियां पीट रहे हैं?

नाई की थड़ी कब्रिस्तान का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

-वकील मोहम्मद अरशद एवं वकील मोहम्मद इमरान की ओर से की जा रही है पैरवी
-नाई की थड़ी विकास संघर्ष समिति ने दायर की है याचिका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के नाई की थड़ी क्षेत्र में कब्रिस्तान के लिये भूमि आवंटन का वर्षों पुराना मामला अब राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर बेंच में पहुंच गया है। नाई की थड़ी विकास संघर्ष समिति, जयपुर द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए माननीय हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) एवं अन्य संबंधित अधिकारियों सहित सभी प्रतिवादी पक्षों (Respondents) को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रकरण में वकील मोहम्मद अरशद एवं वकील मोहम्मद इमरान द्वारा याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी की जा रही है। याचिका में विस्तार से बताया गया है कि खसरा नंबर 8398, ग्राम आमेर, तहसील आमेर, जयपुर स्थित लगभग 1.32 हेक्टेयर (करीब 13,200 वर्गमीटर) भूमि को कब्रिस्तान हेतु चिन्हित किया गया था, जिसमें से लगभग 10,000 वर्गमीटर भूमि के आवंटन का प्रस्ताव वर्ष 2022 में जयपुर विकास प्राधिकरण की

भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति (LPC) द्वारा पारित कर राज्य सरकार को स्वीकृति हेतु भेजा गया था। वर्ष 2021 से इस संबंध में स्थानीय विधायक द्वारा पत्र, JDA सर्वे रिपोर्ट, मास्टर प्लान, Google लोकेशन, पुलिस सुरक्षा हेतु नोट, एंटी-एन्क्रोचमेंट कार्यवाही, राजस्थान वक्फ बोर्ड की संस्तुति, तथा 530 स्थानीय निवासियों के समर्थन सहित सभी आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इसके बावजूद आज तक अंतिम स्वीकृति जारी नहीं की गई है। विशेष रूप से यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में ही JDA द्वारा उक्त भूमि पर "यह भूमि कब्रिस्तान के लिए आरक्षित है" का बोर्ड लगाया जा चुका है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भूमि को आधिकारिक रूप से कब्रिस्तान हेतु चिन्हित किया जा चुका है। इसके बावजूद लंबित प्रक्रिया के दौरान उक्त भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं कथित रूप से प्लॉटिंग/कटिंग जैसी गतिविधियां भी सामने आई हैं, जिससे सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि नाई की थड़ी क्षेत्र में बड़ी मुस्लिम आबादी निवास करती है, जहां वर्तमान में कोई कब्रिस्तान उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ता है। यह स्थिति नागरिकों के मौलिक अधिकारों—विशेष रूप से गरिमामय जीवन एवं धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। माननीय हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी होने के बाद अब क्षेत्रवासियों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि वर्षों से लंबित यह मामला शीघ्र समाधान की ओर बढ़ेगा और नाई की थड़ी क्षेत्र को बहुत जल्द कब्रिस्तान की भूमि उपलब्ध होगी।

आईएफडब्ल्यूजे (IFWJ) के आह्वान पर शहीद स्मारक पर जुटा पत्रकारों का सैलाब

-मुख्यमंत्री से मुलाकात का आश्वासन रहा बेनतीजा, आज रात से शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना

जयपुर। लोकतंत्र की नींव तब डगमगाने लगती है जब शासन और प्रशासन मिलकर उसके चौथे स्तंभ को दबाने का प्रयास करते हैं। राजस्थान में वर्तमान परिस्थितियां कुछ ऐसी ही नजर आ रही हैं। जैसलमेर में एक वरिष्ठ पत्रकार की आजीविका पर प्रशासन की आड़ में 'बुलडोजर' चलाने और पत्रकारों पर बढ़ते 'फर्जी मुकदमों' के विरोध में राजधानी जयपुर रविवार को पत्रकारों के हुंकार से गूंज उठी।

अन्याय के खिलाफ एकजुटता

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) के आह्वान पर प्रदेशभर से सैकड़ों पत्रकार जयपुर के शहीद स्मारक पर एकत्रित हुए। पत्रकारों का आरोप है कि प्रशासन अपनी कमियों को छिपाने के लिए कलम के सिपाहियों को निशाना बना रहा है। सुबह 11 बजे शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब प्रशासन और पत्रकारों के बीच संवाद की स्थिति नहीं बन पाई। दूरभाष वार्ता के दौरान पत्रकारों को तीन बार आश्वस्त किया गया था कि शाम 5 बजे मुख्यमंत्री स्वयं प्रतिनिधिमंडल से मिलकर ज्ञापन लेंगे। शासन के इस भरोसे पर भरोसा कर दूर-दराज से आए कई पत्रकार साथी वापस लौट गए। लेकिन, जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां आगे बढ़ीं, सरकार का वादा फीका पड़ता गया। रात 10 बजे तक मुख्यमंत्री आवास से कोई बुलावा न आने पर पत्रकारों का धैर्य जवाब दे गया।

अब आर-पार की लड़ाई: अनिश्चितकालीन धरना

उपेक्षा से आक्रोशित पत्रकारों ने अब शहीद स्मारक पर ही 'अनिश्चितकालीन धरने' का बिगुल फूंक दिया है। पत्रकारों का स्पष्ट संदेश है— "जब तक न्याय नहीं, तब तक घर वापसी नहीं।" धरने की पहली रात प्रदेशाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, जोधपुर संभाग प्रभारी विक्रम सिंह करणोत, कोषाध्यक्ष नकुल शर्मा, हरपाल सिंह, गणेश प्रजापति, बलवीर सिंह सैनी, सुनील यादव और विनीत पारीक सहित कई पत्रकार साथी डटे रहे।

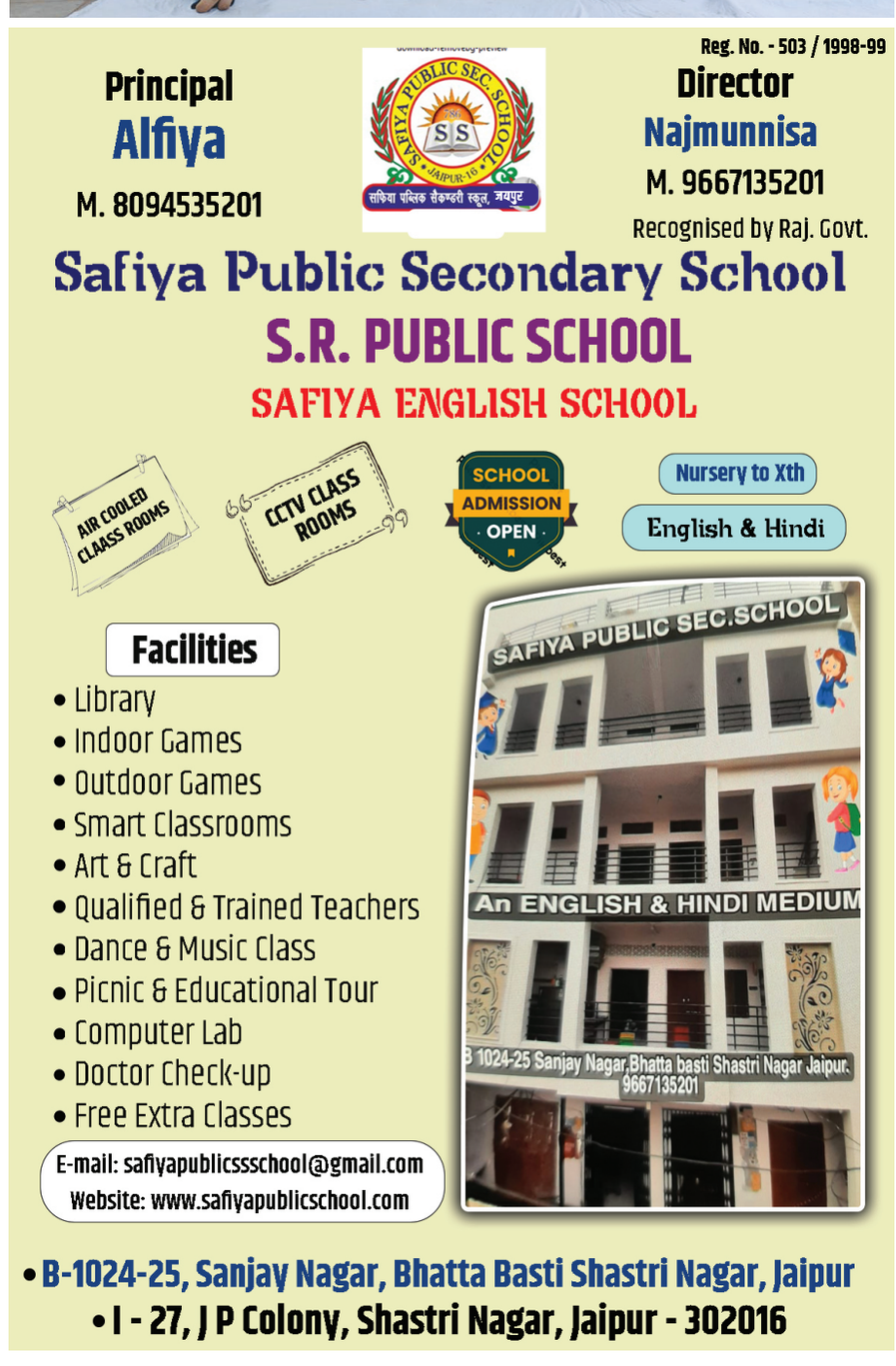

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com